संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 193
पृष्ठ 8
शुक्रवार
04 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में हीटवेव से बचने के लिए...

विचार- बांग्लादेश को खो रहा भारत

खेल- गुजरात के खिलाफ क्यों हारी आरसीबी...

पीएम मोदी बैंकॉक पहुंचे, बोले

बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन-जन को जोड़ा

बैंकॉक/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचे, जहां उपप्रधानमंत्री सूर्या जुंगरुंगरींगकिट ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बैंकॉक के डॉन मुआंग हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के आगमन पर सिख समुदाय के लोगों ने भांगड़ा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बैंकॉक के गवर्नमेंट हाउस में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में थाई प्रधानमंत्री शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड की प्रधानमंत्री की मौजूदगी में भारत और थाईलैंड ने डवन्े का आदान-प्रदान किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस खूबसूरत स्वर्ण-भूमि में मेरे और मेरे डेलीगेशन के गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य-सत्कार के लिए मैं प्रधानमंत्री शिनावात्रा का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। मोदी ने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन-जन को जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूँ कि मेरी यात्रा के उप्लक्ष्य में 18वी शताब्दी की 'रामायण' म्यूरल पेंटिंग्स पर आधारित एक विशेष डाक-टिकट जारी किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 मार्च को आए भूकंप में हुई जनहानि के लिए मैं भारत के लोगों की ओर से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि हम घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने अभी मुझे त्रिपिटक भेंट की। बुद्ध-भूमि भारत की ओर से मैंने इसे हाथ जोड़ कर स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत की '।बज मेंज' पॉलिसी और हमारे प्दकव-च्बपपिब विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के बीच 'स्ट्रैटेजिक डायलॉग' स्थापित करने पर भी हमने चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हमने

● मोदी मोदी के नारों से गूँज उठा बैंकॉक का आसमान, पीएम मोदी ने जीता थाईलैंड के लोगों का दिल

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच जवनतपेउ, बनसजनतम, मकनबंजपवद क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपसी व्यापार, निवेश और इनेपदमेमे के बीच आदान प्रदान बढ़ाने पर हमने बात की। उन्होंने कहा कि MSME, handloom और handicraft में भी सहयोग के लिए समझौते किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ASEAN unity और ASEAN Centrality का पूर्ण समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि Indo-Pacific में, Free, open, inclusive and rule-based order का हम दोनों समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम विस्तार-वाद नहीं, विकास-वाद की नीति में विश्वास रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन-जन को जोड़ा है। अयुत्थया से नालंदा तक विद्वानों का आदान-प्रदान हुआ है। रामायण की कथा थाई लोक-जीवन में रची-बसी है और, संस्कृत-पाली के प्रभाव आज भी भाषाओं और परंपराओं में झलकते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि आज शाम प्रधानमंत्री की मौजूदगी में थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमा और भूटान के बिम्सटेक नेताओं के साथ समुद्री सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस और म्यांमा के सैन्य नेता मिन आंग हलिंग सहित अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे। हम आपको बता दें कि यह 2018 में नेपाल के काठमांडू में चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद बिम्सटेक नेताओं की प्रत्यक्ष रूप से पहली बैठक होगी।

जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं, वे महाकुंभ जैसा आयोजन नहीं कर सकते : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं। यहां श्रृंगवेरपुर धाम में भगवान श्रीराम के प्रिय सखा निषादराज गुह्य के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "भगवान राम और निषादराज के बीच मित्रता का यह अद्भुत संगम आज फिर देखने को मिल रहा है। वही मित्रता भाजपा और निषाद पार्टी की है। सीएम योगी ने कहा, "हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को नयी पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका 'वोटबैंकश महत्वपूर्ण था।" उन्होंने कहा, ''महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते।

भारत को चीन से वापस लेनी चाहिए अपनी जमीन, लोकसभा में गरजे राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए पारस्परिक शुल्कों को लेकर केंद्र पर निशाना साधा और यह भी आरोप लगाया कि चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर चीन को पत्र लिखा है, लेकिन यह जानकारी हमारी सरकार की

ओर से नहीं बल्कि बीजिंग के दूत के माध्यम से सामने आई है। लोकसभा में राहुल ने कहा कि यथास्थिति बनी रहनी चाहिए और हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। मुझे यह भी पता चला है कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने चीन को पत्र लिखा है। हमें यह बात अपने लोगों से नहीं बल्कि चीनी राजदूत से पता चल रही है जो यह बात कह रहे हैं। दूसरी तरफ, हमारे सहयोगी ने हम पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह हमें पूरी तरह से तबाह कर देगा। भारत सरकार हमारी जमीन के बारे में क्या कर रही है और टैरिफ के मुद्दे पर आप क्या करेंगे। गांधी ने कहा कि भारतीय निर्यात पर पारस्परिक शुल्क लगाने का डोनाल्ड ट्रंप का कदम ष्हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह करने वाला हैष्। बुधवार को गांधी ने वक्फ संशोधन विधेयक की आलोचना करते हुए इसे मुसलमानों को हाशिए पर धकेलने और उनके निजी कानूनों और संपत्ति के अधिकारों को कमजोर करने का एक साधन बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने कहा, आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों द्वारा संविधान पर यह हमला आज मुसलमानों पर लक्षित है, लेकिन भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने के लिए एक मिसाल कायम करता है।ष उन्होंने आगे कहा, ष्कांग्रेस पार्टी इस कानून का कड़ा विरोध करती है क्योंकि यह भारत के मूल विचार पर हमला करता है और अनुच्छेद 25, धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

सभी जज अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करेंगे, CJI खन्ना ने दे दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने सामूहिक रूप से पदभार ग्रहण करने पर अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। गुरुवार को पूर्ण न्यायालय की बैठक के दौरान, न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का खुलासा करने का संकल्प लिया, जिसे सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, संपत्ति की घोषणा का प्रकाशन पूरी तरह से स्वैच्छिक होगा, जिससे न्यायाधीशों को अपने वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने में विवेक का प्रयोग करने की अनुमति मिलेगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण अदालत ने संकल्प लिया था कि न्यायाधीशों को पदभार ग्रहण करने पर अपनी संपत्ति की घोषणा करनी चाहिए, और जब भी कोई महत्वपूर्ण प्रकृति का अधिग्रहण किया जाता है, तो मुख्य न्यायाधीश को इसकी घोषणा करनी चाहिए।

ममता सरकार को झटका, 25,000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में 25,000 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले पर गुरुवार को मुहर लगा दी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। पीठ ने अपने फैसले में पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के पदों पर भर्ती की पूरी प्रक्रिया को 'दूषित' और 'सुधार से परे दागदार' घोषित किया। अदालत ने कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया

हेरफेर और धोखाधड़ी से दूषित थी और इसे सुधारा नहीं जा सकता। न्यायालय ने कहा कि इस प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता को नष्ट कर दिया गया है। ऐसे में दागी उम्मीदवारों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई वैध आधार नहीं है। पीठ ने कहा, "चूंकि नियुक्तियां धोखाधड़ी और जालसाजी से हुई हैं, इसलिए हमें हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं दिखता।" शीर्ष न्यायालय ने हालांकि कुछ निर्देशों में संशोधन किया। शीर्ष न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि जो उम्मीदवार पहले कहीं और कार्यरत थे, उन्हें अपने पिछले पदों पर वापस आने की अनुमति दी जाएगी।

फर्जी फॉर्मेसी रजिस्ट्रेशन रैकेट का हुआ भंडाफोड़, 47 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर फर्जी फार्मेसी पंजीकरण रैकेट का भंडाफोड़ किया और दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) के एक पूर्व कर्मचारी सहित 47 लोगोंको गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी फार्मासिस्ट पंजीकरण की व्यापक जांच के बाद गिरफ्तारियां की गईं। एसीबी के निष्कर्षों के अनुसार, रैकेट का मास्टरमाइंड डीपीसी का पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह था, जिसने कथित तौर पर ऑनलाइन फार्मासिस्ट पंजीकरण करने के लिए नियुक्त एक निजी फर्म के साथ साजिश रची थी। विशेष रूप से, कंपनी को बिना किसी औपचारिक निविदा प्रक्रिया के नियुक्त किया गया था, जो स्थापित प्रक्रियाओं का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करता है, संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसीबी) मधुर वर्मा ने खुलासा किया। उन्होंने कहा, ष्घोटाला डीपीसी के पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह द्वारा एक निजी फर्म के सहयोग से किया गया था, जिसे फार्मासिस्टों के ऑनलाइन पंजीकरण करने के लिए नियुक्त किया गया था।

दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाये सेना : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना के कमांडरों से वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक को शामिल करते हुए योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा वैश्विक घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हैं और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हों या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि श्हाइब्रिड युद्धश भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे। साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग बनेंगे। इसलिए सशस्त्र बलों को अपनी योजना और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। रक्षा मंत्री नई दिल्ली में चल रहे सेना कमांडरों के सम्मेलन में तीसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता करते हुए भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने वर्तमान भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति पर जोर दिया, जो वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान गतिशील भू-रणनीतिक परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के साथ चल रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों चुनौतियों का समाधान करते हुए योजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में आधुनिक तकनीक को शामिल करने वाली सैन्य खुफिया के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने उत्तरी सीमा की मौजूदा स्थिति पर तैनात सशस्त्र बलों की दृढ़ता और सतर्कता के लिए सराहना की तथा कहा कि ऐसा ही जारी रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने बीआरओ के प्रयासों को सराहा, जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए पश्चिमी और उत्तरी दोनों सीमाओं पर सड़क संचार में भारी सुधार हुआ है। सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन को हर समय सहायता प्रदान करने में सेना की सराहनीय भूमिका पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना सुरक्षा, एचएडीआर, चिकित्सा सहायता से लेकर देश में स्थिर आंतरिक स्थिति बनाए रखने तक हर क्षेत्र में मौजूद है। उन्होंने सेना कमांडरों के सम्मेलन में राष्ट्र के 'रक्षा और सुरक्षा' दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयों पर सफलतापूर्वक ले जाने के लिए सेना नेतृत्व की सराहना की।

अनुराग ठाकुर माफी मांगे : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अनुराग ठाकुर द्वारा कल लोकसभा में वक्फ भूमि कब्जे को लेकर लगाये गये आरोप पर गुरूवार को सदन में भारी रोष व्यक्त करते हुये कहा कि श्री ठाकुर इसके लिए माफी मांगे नहीं तो अपने आरोप को सही साबित करें। श्री खरगे ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर श्री ठाकुर की टिप्पणी पर अपना रोष जताते हुये कहा कि लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों द्वारा विरोध किये जाने पर इस टिप्पणी को वापस ले लिया गया था लेकिन इससे उनकी छवि को जो नुकसान होना था हो

गया। इसको लोकसभा की कार्यवाही से हटाया गया है लेकिन सोशल मीडिया और अन्य मीडिया में यह चल रहा है। उन्होंने राजनीति में अपने लंबे करियर का हवाला दिया और निराशा व्यक्त की। उन्होंने माफी की मांग की और कहा " अगर श्री ठाकुर अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और अगर वे आरोप साबित कर देते हैं तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।" उन्होंने कहा कि यह साबित किया जाना चाहिए कि वह या उनके परिवार के सदस्यों ने किसी वक्फ जमीन पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि वह डरते नहीं हैं और विधानसभा में पहले की उन घटनाओं का जिक्र करते हैं जहां मुख्यमंत्री ने उनसे माफी मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि सदन के नेता श्री ठाकुर की ओर से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोपों से वह झुकने वाले नहीं है। वह झुकेंगे नहीं बल्कि टूट जायेगे। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेज रिजिजू कुछ कहने लगे तभी तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्राईन बोलने लगे जिस पर श्री रिजिजू बैठ गये। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि टिप्पणियों को हटाना कोई उपाय नहीं हो सकता। सदन में माफी मांगने से सदस्य की गरिमा बनी रहेगी। उन्होंने हाल ही में समाजवादी पार्टी के सदस्य रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर की गयी टिप्पणी का उल्लेख करते हुये कहा कि यदि संसदीय संस्था के सम्मान में कुछ हटाया जाता है, तो किसी भी सदस्य को इसे मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

भाजपा सदस्यों के हमले का आक्रमक जवाब जरुरी : सोनिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि सरकार सोची समझी रणनीति के तहत समाज का ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ़ विधेयक जैसे कदम समाज को बांटने की उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। श्रीमती गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य संसद में कांग्रेस शासित राज्यों की मुद्दों पर तीखा हमला करते हैं इसलिए पार्टी सांसदों को भी भाजपा शासित राज्यों में उसकी विफलता को लेकर सदन में ही करारा जवाब देना चाहिए। श्रीमती गांधी ने गुरुवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में पार्टी के संसदीय दल की आम बैठक को संबोधित करते हुए कहां की आज इस विधेयक को राज्यसभा में पेश किया जाना है और कांग्रेस का रुख इस पर पहले की तरह ही स्पष्ट है। संसदीय दल की इस बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कांग्रेस संसदीय दल की नेता ने अपने संबोधन में कहा "कल, वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 लोकसभा में पारित किया गया और आज इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है।

आरेडिका ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक कोच उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में 2025 कोचों का उत्पादन कर अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। कोविड–19 के बाद आरेडिका पिछले 2 वर्षों से लगातार कोच उत्पादन के नये आयाम स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में एमसीएफ ने 1684 कोच बनाएं थे, यह वित्तीय वर्ष 2022–23 के मुकाबले 16: अधिक था। इसी कडी को आगे बढाते हुए आरेडिका ने वर्ष 2024–25 में रिकॉर्ड 2025 कोच का उत्पादन कर पिछले वर्ष से 20: ज्यादा कोच बनाये। इन 2025 कोचों में विभिन्न प्रकार के कोच हैं जिसमें दीनदयालु के 582 कोच, स्लीपर के 500 कोच, 3टीयर इकोनोमिक के 300 कोच, वातानुकूलित 3टीयर के 276 कोच, जनरल चेयर कार 112, पावर कार 80कोच, 2टीयर के 60 कोच, दिव्यांगजनो के लिए

46 कोच, मेमू के 20 कोच, तेजस के 21 कोच, पार्सलवैन 14, एसी चेयरकार तथा अन्य 14 कोचों का निर्माण किया गया है।

भारतीय रेल द्वारा रेल यात्रा में आर्थिक रूप से सामान्य व मध्यम वर्ग के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए जनरल सीटिंग और स्लीपर श्रेणी के कोचों की संख्या लगातार बढाई जा रही है इसीलिए आरेडिका ने इस वर्ष बनने वाले 2025 कोचों में 1274 कोच सामान्य जनरल एवं स्लीपर के बनाये जिससे सामान्य व गरीब वर्ग सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा कर सकें जो कुल उत्पादन का 63: हैं निर्मित कोचों में 751 एसी कोच तथा 1274 नॉन एसी कोच है जो निर्माण कार्य की दक्षता और गुणवत्ता को दर्शाता है। निर्माण कार्य के अंतर्गत प्रत्येक स्तर पर कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को बनाए रखने में आरेडिका के विभिन्न विभागों का सामंजस्य रहा है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान आरेडिका ने जनरल कोच(दीनदयालु) के 582 कोचों का निर्माण किया है जो पिछले वर्ष 2023–24 में बने 332 कोच से लगभग 75: अधिक है, स्लीपर के 500 कोचों का निर्माण किया है जो पिछले वर्ष में बने 341 कोच से 47: अधिक है तथा जनरल चेयर कार के 112 कोचों का निर्माण किया है । 3 टीयर एसी एवं इकोनॉमी के 576 कोचों का निर्माण किया जो पिछले वर्ष में बने 511 कोच से 13: अधिक है। दिव्यांगजनों के लिए 46 कोच का निर्माण किया गया जो पिछले वर्ष बने 29 कोच से 59: अधिक है।

आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन का यह लक्ष्य आरेडिका के सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में टीम एमसीएफ के कोच उत्पादन के प्रति समर्पण की भावना से संभव हुआ है तथा आने वाले वर्ष में आरेडिका में मेमू, वन्देभारत ट्रेन सेट्स का उत्पादन किया जायेगा। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियनों के प्रतिनिधियों, एवं संविदा कर्मचारियों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रसिद्ध कवि गीतकार गिरीश श्रीवास्तव गिरीश के सम्मान में आयोजित हुई सरस्कर गोष्ठी

जौनपुर सभारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ICCR,आजाद भवन, नई दिल्ली में पूर्वांचल के प्रसिद्ध कवि गीतकार श्री गिरीश श्रीवास्तव 'गिरीश' (जौनपुर) के सम्मान में एक सरस कविगोष्ठी का आयोजन ICCR के वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक अशोक जाजोरिया की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में गिरीश श्रीवास्तव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध गजलकार अरविंद असर, दोहाकार दिनेश मंजर, मनोज अबोध एवं प्रसिद्ध कवि ताराचंद नादान सहित ICCR के कई अधिकारी सम्मिलित हुए।

अरविंद असर की नज्म और गजलें खूब सराही गईं
प्रान्तवादी बात ये अब तक नहीं समझे
देश है कश्मीर से कन्याकुमारी तक
रोज ही होता है वध दो चार लोगों का
हम सुरक्षित हैं यहां बस अपनी बारी तक

सरस कवि तारा चंद नादान ने सुनाया–
शजर से टूटकर पत्ते का कोई दर नहीं होता
कटा जो अपनी मिट्टी से फिर उसका घर नहीं होता
वरिष्ठ कवि दिनेश मंजर ने फरमाया–
माँ कितनी अकेली हो, औलाद भले दुख दे
दुनिया के मुकाबिल वो खुशहाल बताती है।
मनोज अबोध ने गजल पढ़ी–
कुछ जुगाडू तंत्र से पाकर तो बाकी लोग
ऑन लाइन मिल गए सम्मान से खुश हैं

जौनपुर से पधारे वरिष्ठ कवि गिरीश श्रीवास्तव गिरीश ने भावपूर्ण अनेक छंद सुनाए, मुक्तक और गजल से श्रोताओं की वाहवाही लूटी।

सितारे कैद हैं मुट्ठी में मेरी
कहा किसने कि खाली हाथ हूँ मैं
मेरे जलवे से रौशन है ये महफिल
गजल के बज्म की औकात हूँ मैं

अंत में, कार्यक्रम के अध्यक्ष अशोक जाजोरिया ने सभी कवियों का आभार व्यक्त किया।

यहां रची गई वायु सेना कैंपस में अफसर की हत्या की साजिश?

प्रयागराज। प्रयागराज में हुए इंजीनियर हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। वायु सेना कैंपस में सीडब्ल्यूई की हत्या की साजिश जेल में रची गई थी। हत्यारोपी कई बार जेल और पेशी के दौरान साजिशकर्ता भाई से मिला था।

प्रयागराज में वायुसेना कैंपस में कमांडर वर्क इंजीनियर (सीडब्ल्यूई) सत्येंद्र नारायण मिश्रा(51) की हत्या की वारदात में चौथा नाम सामने आने के बाद नया सवाल खड़ा हो गया है। सवाल है कि क्या इस वारदात की साजिश जेल से रची गई? दरअसल, जांच में इस बात के पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि पहले व हत्या के बाद कई बार मुख्य आरोपी सौरभ जेल में बंद अपने भाई हनी उर्फ गौतम से मिला था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जेल भेजे जाने से पहले सौरभ ने यह बताया कि वह वारदात के एक दिन पहले यानी 28 व वारदात के बाद 29 मार्च को जेल में निरुद्ध अपने भाई हनी से मिला।

जेल में जाकर तीनों ने हनी से की थी मुलाकात

अब यह बात भी सामने आई है कि वह पहली बार अफसर के घर चोरी करने जाने के दिन 13 मार्च से पहले भी कई बार जेल में जाकर अपने भाई से मिला। यही नहीं, इसमें कुछ बार उसके साथ मां–बाप भी गए। कुछ बार पेशी पर आने के दौरान तो अन्य बार जेल में जाकर तीनों ने हनी से मुलाकात की। ऐसे में अब इस बात की भी आशंका है कि कहीं यह साजिश हनी ने जेल से ही तो नहीं रची।

: इंजीनियर हत्याकांड में नया खुलासा :

इस मामले में पुलिस अफसर अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। विवेचना में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। हनी को एक दिन पहले ही साजिश रचने का आरोपी बनाया जा चुका है।

चोरी करने पहुंचे युवक ने मुख्यालय परिसर में कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र (51) की हत्या के मामले का सोमवार को खुलासा हो गया। पुलिस का दावा है कि चोरी की नीयत से पहुंचे बदमाश ने वारदात अंजाम दी। वारदात की साजिश में वायुसेना कैंपस में अफसरों के घरों में काम करने वाले उसके माता–पिता भी शामिल थे। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अपर पुलिस आयुक्त अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया की थी कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या

भारतीय वायुसेना के बमरौली स्थित मध्य वायु कमान रहता है। उसकी मां सुनीता और पिता शिवकुमार वायुसेना परिसर में संविदा कर्मचारी हैं। पिता सफाईकर्मी है, जबकि मां घरों में काम करती है। सौरभ ने पूछताछ में बताया कि उसकी मां पहले एक–दो बार कमांडर वर्क इंजीनियर के घर जा चुकी थी। एक साल पहले तक वह भी वायुसेना परिसर में ठेके पर मजदूरी करता था।

नाकाम रहने पर गोली मारकर की हत्या

एक बार लकड़ी का मंदिर कि आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी वायुसेना परिसर से लगभग 1.5 किमी दूरी पर स्थित लाल बिहारा गांव की बस्ती में

कातिल ने खुद बताया

पहुंचाने वह भी अफसर के घर जा चुका था। यह भी बताया कि उसका बड़ा भाई हनी उर्फ गौतम 25 जनवरी को कौशाम्बी में हुई हत्या के मामले में वहां की जेल में बंद है। उसे छुड़ाने के लिए परिवार को रुपयों की जरूरत थी। अफसर का घर वायुसेना परिसर की बाहरी दीवार से 10–15 मीटर की दूरी पर है। उसे लगा कि वहां उसे 10 लाख तक नकदी मिल जाएगी। उसने घर में चोरी की साजिश रची। इसमें अपने मां–बाप को भी शामिल कर लिया। उसने साजिश के मुताबिक 29 मार्च की भोर में अफसर के घर पहुंचकर भीतर घुसने का प्रयास किया। नाकाम रहने पर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वहां से भाग निकला।

देशी पिस्टल से मारी गोली, बैग में तमंचा भी लिए था

डीसीपी अभिषेक भारती के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अफसर को देशी पिस्टल से गोली मारी थी। वारदात के वक्त उसके बैग में एक तमंचा भी था। यह असलहे उसने पूरामुफ्ती के ही एक स्थानीय तस्कर से खरीदे थे। डीसीपी ने बताया कि तस्कर को भी हिरासत में ले लिया गया है। साथ ही दोनों असलहे व चार कारतूस भी बरामद हो गए हैं। इसके अतिरिक्त एक पोर्टेबल गैस कटर भी बरामद किया गया है, जिससे अफसर के घर के दरवाजे में सुराख किया गया था।

सीसीटीवी फुटेज से हुआ ट्रेस

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की तस्वीर अफसर के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। उसने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। फुटेज के सहारे ही छानबीन शुरू की गई। आसपास फुटेज दिखाकर पड़ताल की गई तो हुलिये के आधार पर आरोपी का नाम सामने आया।

13 मार्च की रात भी पहुंचा था चोरी करने

आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में यह भी बताया कि 13 मार्च की रात को भी उसने अफसर के घर चोरी का प्रयास किया था। उस रात वह एक साथी के साथ वहां पहुंचा था। दरवाजा काटने का प्रयास किया था, लेकिन अफसर के शोर मचाने पर औजार छोड़कर भाग निकला। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि 13 मार्च की रात उसके साथ गए युवक को भी चिह्नित कर हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

गोला काला करने से नहीं चलेगा काम, विस्तार से लिखने होंगे जवाब

प्रयागराज। अब परीक्षा में गोला काला करने से काम नहीं चलेगा। विस्तार से जवाब लिखने होंगे। राजकीय कॉलेजों की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती की स्क्रीनिंग परीक्षा में वस्तुनिष्ठ की जगह दीर्घ उत्तरीय सवाल होंगे। परीक्षा का पाठ्यक्रम संशोधित किया जा रहा है।

राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आयोजित स्क्रीनिंग परीक्षा में अब ओएमआर शीट पर गोला काला करने से काम नहीं चलेगा। स्क्रीनिंग परीक्षा का पाठ्यक्रम संशोधित किया जा रहा है। अभ्यर्थियों को अब वस्तुनिष्ठ की जगह दीर्घ उत्तरीय सवालों के जवाब देने होंगे।

अभ्यर्थियों के चयन में स्क्रीनिंग परीक्षा के अंक भी जोड़े जाएंगे। उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 562 पदों पर भर्ती के लिए शासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को अधियाचन भेजा जा चुका है।

अब शासन स्तर से संशोधित पाठ्यक्रम को हरी झंडी मिलने का इंतजार है। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने जा रहे अभ्यर्थियों की अपने विषय की कितनी समझ है, इसे गहराई से परखने के लिए ही पाठ्यक्रम संशोधन का निर्णय लिया गया है।

पहले स्कीनिंग परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के सवाल आते थे और प्रत्येक सवाल के चार विकल्प होते थे। अभ्यर्थियों को सही उत्तर के रूप में किसी एक विकल्प को चुनकर ओएमआर शीट के गोले को काला करना होता था। स्क्रीनिंग परीक्षा केवल अभ्यर्थियों की छंटनी के लिए होती थी।

परीक्षा में मेरिट की होगी भूमिका

मेरिट में इस परीक्षा कोई भूमिका नहीं होती थी। अभ्यर्थियों का चयन केवल इंटरव्यू में मिले अंकों के आधार पर किया जाता था। अब स्क्रीनिंग परीक्षा के 75 फीसदी व इंटरव्यू के 25 फीसदी अंक जोड़कर मेरिट तैयार की जाएगी।

अब इस परीक्षा में होंगे दीर्घ उत्तरीय सवाल

इस वजह से किया गया बदलाव

साथ ही स्क्रीनिंग परीक्षा में वस्तुनिष्ठ की जगह दीर्घ उत्तरीय सवाल पूछे जाएगा, जिनके जवाब अभ्यर्थियों को विस्तार से लिखने होंगे। यह बदलाव इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि जो अभ्यर्थी असिस्टेंट प्रोफेसर बनकर छात्र–छात्राओं को पढ़ाएंगे, उनके असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के पहले विषय के प्रति उनकी समझ को गहराई से परखा जा सके।

शासन को भेजा गया था प्रस्ताव

यूपीपीएससी की ओर से इन दोनों बदलावों से संबंधित प्रस्ताव शासन को काफी पहले भेजा जा चुका है। शासन ने परीक्षण के लिए प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग को भेजा था और उच्च शिक्षा विभाग ने उच्च शिक्षा निदेशालय से टिप्पणी मांगी थी।

शासन से अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार

सूत्रों का कहना है कि निदेशालय ने अपनी टिप्पणी के साथ पाठ्यक्रमों मंजूरी दे दी है। अब शासन से अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार है। शासन से स्वीकृति मिलने ही आयोग भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करेगा।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने गिराए थे मकान, सुप्रीम कोर्ट ने दिए 10–10 लाख मुआवजे का आदेश

प्रयागराज। चार साल पहले प्रयागराज के लुकरगंज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रोफेसर रहे एवं उर्दू के जाने माने साहित्यकार प्रो. अली अहमद फातमी उनकी बेटी सहित अन्य चार लोगों के मकान तोड़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ित परिवारों को 10–10 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस मामले में अब यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि लूकरगंज में जिस जमीन पर इन पांच लोगों के मकान बने थे उसका आखिर क्या होगा ? सुप्रीम कोर्ट ने समुचित प्रक्रिया का पालन किए बगैर घरों को बुलडोजर से गिराने को असंवैधानिक और अमानवीय बताया है। प्रो. फातमी का जो मकान तोड़ा गया मकान 160 वर्ग गज में बना था। यह नजूल की भूमि थी, उनकी बेटी का मकान भी नजूल की भूमि पर बना था। प्रो. फातमी के मकान में छह और बेटी के मकान में तीन कमरे बने रे बने थे। कार्रवाई से पूर्व प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने जब नोटिस भेजा तो इस नजूल भूमि का पट्टा 1999 में समाप्त होने की बात सामने आई थी। प्रोफेसर फातमी एवं अन्य का मकान तोड़ने के पीछे नजूल भूमि का पट्टा समाप्त होना भी एक कारण माना गया था।

हालांकि प्रोफेसर फातमी ने पट्टा नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। कहा जा रहा है कि इसकी रसीद भी इन लोगों के पास है। कार्रवाई के बाद प्रशासन ने इस जमीन पर ईवीएम रखने के लिए स्टोर बनाने की बात कही थी। संभवतः ध्वस्तीकरण का मामला कोर्ट में होने के बाद इसका निर्माण शुरू नहीं हो सका। वहरहाल, अब यही सवाल ल प्रमुखता प्रमुखता से उठाया जा रहा है कि जमीन का आखिर क्या होगा। पीडीए के अफसर भी इस मामले में कुछ बोलने से बच रहे हैं। ऑफ दी रिकॉर्ड अफसरों का कहना है कि न्यायालय का पूरा आदेश आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने गलत को गलत कहा, हम खताकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद प्रोफेसर अली अहमद फातमी ने राहत महसूस की है। प्रोफेसर फातमी ने कहा, श्सुप्रीम कोर्ट ने गलत को गलत और अमानवीय कहा, चार साल बाद न्याय मिला, हमारा दर्द समझा, यही हमारे लिए राहत की बड़ी बात है। प्रो. फातमी ने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को चार साल हो चुके हैं, पर आज भी जब मैं उन दिनों को याद करता हूं तो कलेजा कांप जाता है।

इस घटना ने उन्हें जो क्षति पहुंचाई है, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती है। मकान टूटने के सदमे में कुछ महीने बाद ही पत्नी का निधन हुआ फिर उन्हें हार्ट अटैक हुआ। सेवानिवृत्ति के बाद इविवि से जो फंड मिला था, उससे करेली में एक छोटा का फ्लैट लिया था। फ्लैट छोटी बेटी को देने के लिए लिया, लेकिन परिस्थितियां बदलीं तो मैं बेटी के साथ खुद इस फ्लैट में रहने लगा। कहा, कोर्ट का आदेश आने का इंतजार है।

मेडिकल एसोसिएशन द्वारा मैच का आयोजन

मुजफ्फरनगर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ब्रांच मुजफ्फरनगर प्रतिवर्ष अपने सदस्यों व परिवार जन के लिए स्पोर्ट्स वीक का आयोजन करता है जिसमे कि विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं जैसे कि बैडमिंटन टेबल टेनिस स्केटिंग शतरंज आदि का आयोजन किया जाता है जिसमे कि सदस्य व परिवार जन बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है इसमें मनोरंजन के साथ साथ खेल कूद को भी बढ़ावा मिलता है। समय समय पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना शारीरिक व मानसिक विकास के लिए भी जरूरी होता है। इस बार अध्यक्ष डॉ सुनील चौधरी व सचिव डॉ मनोज काबरा के निर्देशन में ३–दिवसीय संध्याकालीन क्रिकेट टूर्नामेन्ट, मैग बॉक्स क्रिकेट का आयोजन किया गया जो कि मैग स्पोर्ट्स अकादमी में कराया गया। जिसमे 48 डॉक्टर सदस्यों को मिक्स करके 6 टीम्स बनाई गई। सब मैच नाईट मैं मैग बॉक्स मैं कराये गए । इन टीमों को विभिन्न नाम दिए गए और हर टीम को एक कलर की ड्रेस निर्धारित की गई। कल सांय दिनांक २ अप्रैल, बुधवार को खेले गए फाइनल मैच में टीम स्टेथोस्कोप, जिनके कप्तान डॉ सहज थे ने टीम स्टीकर्स, जिसके कप्तान डॉ संजीव जैन और डॉ पंकज सिंह थे के बीच खेला गया और टीम सर्जिकल स्ट्राइकर ने प्रतिद्वंद्वी टीम स्टेथोस्कोप को हराकर विजेता का खिताब प्राप्त किया। टीम स्टेथोस्कोप उपविजेता रही स इससे पहले सेमीफाइनल में टीम मेडिकल मैवेरिक्स जिसके कप्तान डॉ मनोज काबरा और दूसरी टीम एंटीबायोटिक एवेंजर्स जिसके कप्तान डॉ यश अग्रवाल थे, अपना मैच हार गए। प्लेयर ऑफ थे टूर्नामेंट डॉ सुजीत रहे। बेस्ट बैट्समैन डॉ सुजीत। बेस्ट बॉलर डॉ रवि और डॉ असरार। बेस्ट फील्डर डॉ मिनोचा। अंपायर डॉ अविनाश रमणी , कोविद जैन , गौरव अरोरा, कमेंटेटर्स डॉ रीना , डॉ दीपक , डॉ ब हनचजं रहे। खेलने वाले सभी सदस्यों को अवार्ड देकर समानित किया गया।

निशिता पाल हुई सम्मानित

प्रयागराज। खेलगांव पब्लिक स्कूल की निशिता पाल को पूर्व शिक्षामंत्री स्मृति ईरानी ने बेस्ट सेलिंग पुस्तक के लिए सम्मानित किया। खेलगांव पब्लिक स्कूल की निशिता पाल कक्षा 6 में पढ़ती है। उसने 'आलवेज ट्रस्ट आन राइट' नामक पुस्तक लिखकर उत्तर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उसे

उसकी बेस्ट सेलिंग पुस्तक के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार हरियाणा बी आर आई बी बुक संगठन के तहत पूर्व शिक्षामंत्री स्मृति ईरानी द्वारा प्रदान किया गया। खेलगांव पब्लिक स्कूल के संस्थापक डॉ यू के मिश्रा ने निशिता को आशीर्वाद के साथ बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उप संस्थापक महोदय अनिल मिश्रा ने नन्हें साहित्यकारों की लेखनी को और निखारने के लिए अहम फैसले लिये। निदेशक सी पी यादव ने फैसले को शीघ्र क्रियान्वित करने को कहा।

गंगा पब्लिक जूनियर हाईस्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मोरना। गंगा पब्लिक जूनियर हाईस्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग कार्यक्रम की मनोहारी प्रस्तुतियों के बीच धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं को पुरूस्कार एवं प्रमाण देकर सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ मुख्य अतिथि भाजपा किसान प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी, पीएनबी मोरना के प्रबन्धक विकास कुमार सिन्हा व डॉ. रणवीर सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया। प्रबंधक बिजेन्द्र उपाध्याय ने परीक्षाफल घोषित करते हुए बताया कि कक्षा आठ में क्रमशः शिफा, अलीशा, निशान्त, कक्षा सात में रिया,

वर्णिका, अनम, कक्षा छः में विनय, शिवा, मौ. जैन, कक्षा पांच में रमा, फलक जहां, ईशू, कक्षा चार में माही, अनन्या, सृष्टि, कक्षा तीन में प्रतीक चौहान, अवनी, कोमल, कक्षा दो में फैजान, सैफ, असद, कक्षा एक में नैतिक चौहान, सादिक, परी, सुबोधनी, कक्षा यूकेजी में ऋषभ, साजिया, अक्षी, कक्षा एलकेजी में ईशा, यश, अमरीत, कक्षा नर्सरी में मानवी, रूही, देव कुमार ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन पर अतिथियों ने छात्र छात्राओं को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ओमपाल सिंह चौहान, राजेन्द्र धीमान, सतपाल गायक, प्रधानाचार्या निशा रानी, तानिया, ज्योति धीमान, सोनिया, मीनाक्षी, अविनाश, योगेश कुमार, सुशील, राजकुमार, विनीत उपाध्याय, संतोष देवी, भावना आदि मौजूद रहे।

आईटीआई रोजगार मेले में 8 छात्रों का हुआ चयन

मोरना। भोपा मार्ग पर ककराला गांव मे स्थित चौ. कदमसिंह मेमोरियल आईटीआई कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें साक्षात्कार के आधार पर विभिन्न ट्रेड के लिए 18 छात्रों का चयन किया गया। रोजगार मेले में पोलिमेडिकेयर लि0 तथा सनडेन विकास प्रा0 लि0 कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। गुरुवार को रोजगार मेले का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रबन्धक सचिन सरोहा ने कहा कि बिना संघर्ष सफलता नहीं मिलती।

निजी क्षेत्र में व्यवहार और कौशल दक्षता का अहम स्थान होता है। छात्र अपने कौशल और व्यवहार से बडे से बडे लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कॉलेज रोजगार मेले के माध्यम से छात्रों को भविष्य के रास्ते खोलने का अवसर मिला है। छात्रों को परिश्रम से ही लक्ष्य प्राप्ति होती है। रोजगार मेले में 58 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से साक्षात्कार के आधार पर 18 छात्रों विक्की खाईखेडी, अयान वजीराबाद, दीपांशु टन्ढेडा, सागर इलाहाबास, अंकित चौरावाला, प्रयास सिकन्दरपुर, हिमांशु खाईखेडी, अनिकेत छछरौली, लक्षित राठी छछरौली, विजय सिकन्दरपुर, कृष्ण भारद्वाज मु0नगर, आरिस वजीराबाद, समीर वजीराबाद, निशांत तोमर घटायन, सोनू भोपा, सिद्धार्थ मोरना, आदर्श रहमतपुर, सक्षम सिकन्दरपुर का चयन किया गया। रोजगार मेले में हरियाणा से पोलिमेडिकेयर लि0 व सनडेन विकास प्रा0 लि0 कम्पनियों की ओर से एचआर मैनेजर आशीष गुप्ता, सहायक फरहा सिद्दीकी तथा पलविन्दर सिंह ने प्रतिभागी छात्रों का साक्षात्कार किया। इस अवसर पर कॉलेज प्रधानाचार्य विशाल रोशवाल ने कम्पनियों का आभार प्रकट करते हुए चयनित छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

भैंस चोरी होने से हड़कंप

मोरना। चौरावाला गांव मे देर रात चोरो ने किसान की दो कीमती भैंस को चुरा लिया। पशु चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। पीड़ित ने पुलिस को अज्ञात चोरो के खिलाफ तहरीर देकर पशुओं की बरादगी की मांग की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव चौरावाला निवासी सालिम पुत्र शब्बीर ने बताया की उसका परिवार मकान की दूसरी मंजिल पर रहता है। नीचे पशु बंधे रहते हैं। गुरुवार की सुबह सवेरे जब वह पशुओ को चारा खिलाने के लिए गया तो सन्न रह गया। खून्टे से बँधी दो भैंस को उसने गायब पाया। सालिम ने ग्रामीणों संग मिलकर घंटो पशुओं की तलाश की। किन्तु भेंसो का कोई पता नहीं चल सका।

प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम प्रधानों के सम्मान समारोह का आयोजन

ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

जनपद की कुल 487 ग्राम पंचायतें में से 58 ग्राम पंचायत को टीवी मुक्त ग्राम पंचायत किया गया घोषित

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभागार में प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीवी मुक्त ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

जनपद की कुल 487 ग्राम पंचायतें में से 58 ग्राम पंचायत को टीवी मुक्त पंचायत घोषित किया गया, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने इन सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

जिलाधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों को अपनी ग्राम पंचायत टीवी मुक्त किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान को माननीय भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का विजन हैं, को प्रदेश के साथ–साथ भारत टीवी मुक्त भारत बने। इस उद्देश्य हम सभी को मिलकर काम करना है जिससे हमारे प्रदेश के साथ अपना जनपद टीवी मुक्त रहे। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों से कहा की और बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले भविष्य में कोई भी व्यक्ति टीवी रोग का शिकार ना हो सके, इस पर हमें सतर्क रहते हुए कार्य करें और अपनी ग्राम पंचायत को टीवी मुक्त बनाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री संदीप भागिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सुनील तेवतिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एस.डी. कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों द्वारा आईआईटी रूड़की से वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट प्रशिक्षण पूर्ण करने पर स्वागत

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड स्थित एस० डी० कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरनगर में कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग में तृतीय वर्ष में अध्ययरत छात्रों अवि गुप्ता, संकल्प शर्मा, उत्तम कुमार व अंनत कुमार द्वारा आईआईटी रूड़की से वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट प्रशिक्षण पूर्ण करने पर कालेज प्रबन्धन की ओर से उनका स्वागत किया गया। श्री अनुभव कुमार (सचिव) ने छात्रों को उनके भविष्य के लिये शुभाशीष देते हुये कहा कि आज के समय में शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का योगदान अत्यधिक बढ़ चुका है। वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एक ऐसा अद्वितीय अवसर है, जो छात्रों को डिजिटल शिक्षा और व्यावसायिक दुनिया से जुड़ने का मौका देता है। इस इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों ने न केवल अपने ज्ञान को विस्तार दिया, बल्कि उनके तकनीकी कौशल में भी सुधार हुआ। हमें हमारे सम्मानित छात्रों का आज स्वागत करते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जिन्होंने अपनी वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की है। इस इंटर्नशिप के दौरान, छात्रों ने विभिन्न तकनीकी प्रोजेक्ट्स पर काम किया, जिससे उन्हें नए–नए विचारों को अपनाने और जटिल समस्याओं का समाधान ढूँढने की क्षमता प्राप्त हुई। वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट इंटर्नशिप न केवल छात्रों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि यह उन्हें टीम वर्क, समय प्रबंधन और समस्याओं के समाधान की दिशा में भी प्रशिक्षित करती है। इसके द्वारा छात्र कार्यस्थल की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों ने डेटा विश्लेषण, सॉफ्टवेयर विकास, वेब डिजाइनिंग, और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में गहरी जानकारी प्राप्त की। वे अब नई तकनीकों और विचारों के साथ समाज और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार हैं।

डा0 सिद्धार्थ शर्मा (निदेशक) ने कहा कि हमारे छात्रों ने यह इंटर्नशिप पूरी करने के बाद न केवल अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचाना, बल्कि यह भी समझा कि आज के तकनीकी युग में शिक्षा के साथ–साथ व्यावसायिक कौशल का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। इस अनुभव ने उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया है और उन्हें अपनी आगामी योजनाओं में सफल होने के लिए प्रेरित किया है। कालेज प्रबन्धन छात्रों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देता हैं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हैं। हमें पूरा विश्वास है कि वे अपनी मेहनत और लगन से भविष्य में नई ऊँचाइयाँ छुएंगे।

वार्ड आठ में ईद मिलन समारोह, जनसमस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा

परिसीमन क्षेत्र में विकास कार्य को दी जाएगी गति डीपीआर की तैयारी...

मुजफ्फरनगर। प्राप्त समाचार के अनुसार नगर पालिका परिषद के वार्ड– 08 में बुधवार को सभासद श्रीमती मुशीरा के निवास स्थान पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता,कार्यकर्ता,सभासद, समाजसेवी,पुलिस अधिकारी, एडवोकेट,पत्रकार,वार्डवासी और गणमान्य लोग शामिल हुए।इस अवसर पर एक–दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई।

अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।समारोह में भाजपा नेता श्री गौरव स्वरूप और लोक दल के जिलाध्यक्ष श्री संदीप मलिक ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।साथ ही, वार्ड–08 में पिछले दो वर्षों में हुए निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई और जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।बताया गया कि क्षेत्र के विकास के लिए लाखों रुपये स्वीकृत किए जा चुके हैं।नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप पति ने वार्डवासियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।उन्होंने कहा कि वार्ड में विकास कार्यों को गति देने के लिए जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों का पूरा सहयोग लिया जाएगा।

टीला चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मोहित सहरावत ने ईद मिलन समारोह के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को ईद की शुभकामनाएँ दीं।इस दौरान उन्होंने सभी से अपील की कि वे क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कार्यों से दूर रहें और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को कोई असुविधा होती है,तो वे निःसंकोच पुलिस की सहायता लें।सभी वक्ताओं ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर विचार–विमर्श किया।खासतौर पर,नगर के सबसे बड़े वार्ड में जल निकासी समस्या के शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिलाया गया।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने पारंपरिक ईद व्यंजनों का आनंद लिया और जलपान किया।वार्ड सभासद पति हाजी यामीन ने सभी को ईद की मुबारकबाद देते हुए बताया कि उनके निवास स्थान पर आयोजित इस ईद मिलन समारोह में नगर पालिका परिषद के सभी वार्ड सभासद, राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, स्थानीय पुलिस, समाजसेवी, अधिवक्ता, मीडियाकर्मी और वार्डवासी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वार्ड 08,जो परिसीमन के तहत संशोधित हुआ है,विकास कार्यों से अब तक काफी दूर रहा है।क्षेत्रफल के लिहाज से यह सबसे बड़ा वार्ड है,लेकिन मूलभूत सुविधाओं की अब भी कमी बनी हुई है। बजट की सीमित उपलब्धता के कारण विकास कार्यों में बाधा आ रही है।समारोह में वार्ड में पिछले दो वर्षों के दौरान हुए विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। हाजी यामीन ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए 22.61 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। तथा परिसीमन क्षेत्र में विकास कार्य की डीपीआर तैयारीयां की जा रही है,वार्ड को सुंदर एवं सुविधाजनक बनाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

समारोह मे भाजपा नेता श्री गौरव स्वरूप, लोकदल जिला अध्यक्ष श्री संदीप मलिक,उपनिरीक्षक मोहित सहरावत सभासद शौकतअंसारी,हाजी गुलरेज सिद्दीकी,नौशाद खान,शहजाद चीकू,अन्नू कुरैशी,नदीम खान अर्जुन कुमार,हनी पाल,रजत, अब्दुल सत्तार चौधरी,नौशाद कुरैशी,इरशाद हकीम,प्रमोद कुमार,मनोज,हसीब राणा,नौशाद पहलवान पूर्व सभासद नया संसार संघ के सचिव मौ0 बाबू,नूर आलम, बंटी,सरताज प्रधान,सलीम अंसारी,जाबिर प्रधान,विजय मुंडे,राशिद अंसारी,सचिन सैनी, नफीस अंसारी,दिलशाद खान, इकबाल राणा,वकील अंसारी,मौव शहजाद,नसीम ठेकेदार सहित रहीस आदि मौजूद रहे।

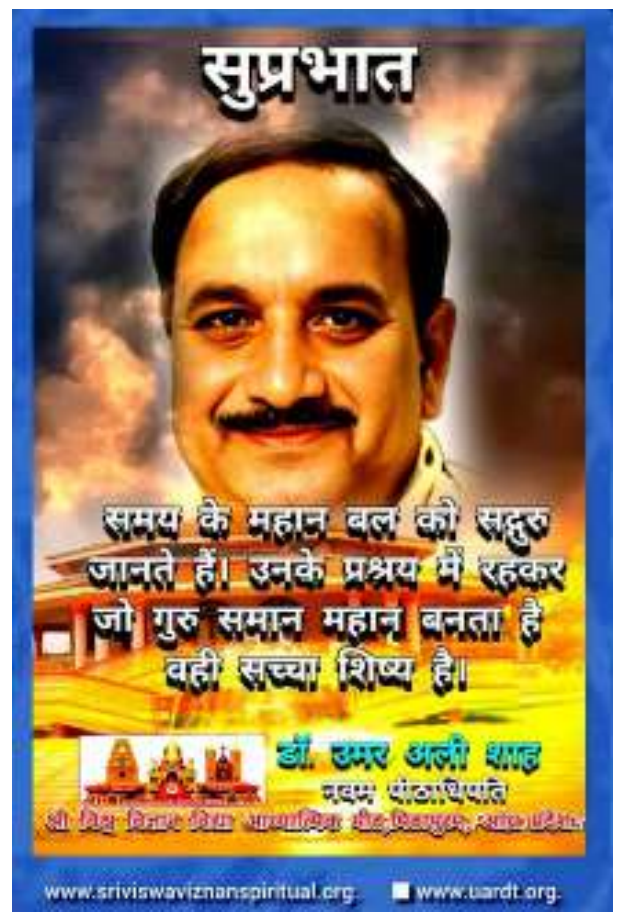

आतंक

मन्दिर–मस्जिद में क्यों ,
तेरा मेरा होता है,
दोनों ही पूजा स्थल,
फिर झगड़ा कैसा है?

तेरा रक्त है लाल,
मेरा रक्त है लाल,
बेरंग नहीं है रक्त,
फिर भ्रम कैसा है?

धरती तुझे पालती है,
धरती मुझे पालती है,
जब धरती मां एक,
फिर मतभेद कैसा है?

गगन छाया तेरी है,
गगन छाया मेरी है,
गगन नहीं है अलग,
फिर युद्ध कैसा है?

तेरी भी मृत्यु होनी,
मेरी भी मृत्यु होनी,
अमर नहीं हम दोनों ,
फिर धोखा कैसा है?

भारत के वासी तुम,
भारत के वासी हम,
देश दोनों का एक,
फिर आतंक कैसा है?

रेनू मिश्रा 'दीपशिखा' प्रयागराज उत्तर प्रदेश

आरेडिका ने अपने पहले ही वर्ष में किया व्हीलों का रिकॉर्ड उत्पादन

रायबरेली। इस वित्त वर्ष 2024–25 में रेलवे ने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का अधिग्रहण किया। आत्मनिर्भर भारत के सफर में अपने उत्कृष्ट उत्पादों एवं अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देकर फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाया है। आरेडिका एलएचवी एवं लोको व्हीलों का उत्पादन कर रहा है फोर्ज्ड व्हीलों के लिए इस

वर्ष आरेडिका को 35000 फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है जिसके सापेक्ष में 40966 पहियों की फोर्जिंग की गई जो पिछले वर्ष से 62 प्रतिशत अधिक है, एवं 33515 फिनिशिड पहियों (क्वालिटी जॉच में पास) का उत्पादन किया गया जो पिछले वर्ष से 49 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय में फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के अधिग्रहण के बाद आरेडिका ने पहियों के उत्पादन को लगातार बढाया और मार्च 2025 में अभी तक के किसी महीने का सर्वाधिक उत्पादन किया गया जिसमें 5809 पहियों की फोर्जिंग, 4964 पहियों की मशीनिंग एवं 4222 पहियों को क्वालिटी जॉच में पास किया गया। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि, फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के अधिग्रहण के बाद आरेडिका ने व्हीलों के उत्पादन को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और व्हीलों के उत्पादन को बढाने के लिए आरेडिका के अनुभवी एवं कुशल के अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने प्लाण्ट का अध्ययन किया तथा व्हीलों के निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री, मशीनों एवं कार्यदक्ष मानवशक्ति प्रबंधन की उचित योजना बनाई गयी। जिसके फलस्वरूप आरेडिका ने इस वर्ष 40966 पहियों की फोर्जिंग, 37749 पहियों की मशीनिंग, 33515 पहियों की स्टैपिंग की है। यह सब टीम के व्हीलों के उत्पादन के प्रति समर्पण की भावना से संभव हुआ है। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियनों के प्रतिनिधियों, एवं संविदा कर्मचारियों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सम्पादकीय.....

जल–थल में प्लास्टिक

तमाम नये राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शोध–सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध–लेख समय–समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच–पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़–पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति–नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका–जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

बांग्लादेश को खो रहा भारत

डॉ. दीपक पाचपोर

जो मुल्क सांस्कृतिक सम्बन्धों के चलते रिश्तों में उतार–चढ़ाव के बावजूद भारत से जुड़े हुए थे, आज वे भी या तो दूर हो रहे हैं अथवा भारत के सबसे बड़े दुश्मन मुल्क चीन के प्रभाव में जा रहे हैं।

अदूरदर्शिता, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की कच्ची समझ, बड़े व ताकतवर देशों के पिछलग्गू बनने तथा देश के बदले वैयक्तिक छवि को तरजीह देने वाली वैदेशिक नीति के चलते भारत का एक और पड़ोसी उसके प्रभाव से निकलता हुआ साफ दिख रहा है– बांग्लादेश। भारत के ज्यादातर पड़ोसी देशों के साथ भारत के अब वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो एक दशक पूर्व तक हुआ करते थे। जो मुल्क सांस्कृतिक सम्बन्धों के चलते रिश्तों में उतार–चढ़ाव के बावजूद भारत से जुड़े हुए थे, आज वे भी या तो दूर हो रहे हैं अथवा भारत के सबसे बड़े दुश्मन मुल्क चीन के प्रभाव में जा रहे हैं। चीन बहुत रणनीतिक तरीके से भारत की घेराबन्दी कर रहा है। बांग्लादेश का मामला आश्चर्य के साथ दुखद भी है क्योंकि इसका निर्माण ही भारत की मदद से हुआ था– 1971 में। आज भी वहां से आये लाखों शरणार्थी भारत के नागरिक बनकर सुरक्षित व समृद्ध जीवन जी रहे हैं। भारत सरकार को अपनी कूटनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। मोदी की व्यक्तिगत पसंदगी, आकांक्षाओं तथा छवि चमकाने का जरिया बनाने की बजाय उसे देश हित में ढाला जाना चाहिये ताकि दक्षिण एशिया में भारत का वह सम्मान तथा प्रतिष्ठा बनी रहे जो उसने 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की बनी केन्द्र सरकार के पहले के 60 वर्षों में अर्जित की थी। शुरुआत यहां से करें कि पहली बार जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने सभी पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर सभी को चौंका दिया था। उनके इस कदम का स्वागत किया गया था और माना गया था कि वे पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं। उनके आमंत्रण को स्वीकार करते हुए दक्षेस (सार्क) देशों के सभी राष्ट्रप्रमुख आये थे। इस प्रतिसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने तथा उसका समझदारीपूर्ण लाभ उठाने के बदले भाजपा के आईटी सेल द्वारा यह प्रचारित किया गया कि पहली बार भारत की ताकत को विदेशी स्तर पर स्वीकारा जा रहा है और इसका कारण मोदी हैं। तत्पश्चात भारत लगातार अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति से हटता चला गया जिसमें व्यक्ति से बड़ा देश को मानने, सामूहिकता तथा छोटे–बड़े सभी देशों की सम्प्रभुता के सम्मान का भाव था। साथ ही, मोदी ने अपनी ऊर्जा बड़े देशों के पीछे भागने में लगायी। सर्वाधिक देशों का दौरा करने वाले वे पहले पीएम तो बने लेकिन ज्यादातर में उनकी उपस्थिति फोटो सेशन में प्रमुख जगह पर खड़े होने की रही। उनके समर्थक इसी बात में खुश होते रहे कि उनके मोदीजी को तस्वीर लेते समय महत्वपूर्ण स्थान पर खड़ा किया गया है। कूटनीतिक सम्बन्धों को मोदी ने संकीर्ण नजरिये से देखा– एक तो खुद को विश्वगुरु साबित करना और दूसरे, अपने मित्र कारोबारियों को व्यवसाय दिलाना। श्रीलंका की संसद में उनके द्वारा गौतम अदानी को दिलाये गये बिजली संयंत्र के ठेके तथा फ्रांस में राफेल लड़ाकू जहाजों के सौदे में अनिल अंबानी को शामिल करने से उनके साथ देश की छवि खराब हुई। जिन भी बड़े देशों से उनके मित्रों को व्यवसायिक लाभ मिलना सम्भव है, मोदी को उनमें जाने में कोई गुरेज नहीं रहा, फिर कोई काम हो या न हो। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लगभग सवा सौ देशों को मिलाकर तटस्थ देशों का जो समूह बनाया था, वही भारत की असली ताकत थी। मोदी ने खुद को बलशाली साबित करने तथा नेहरू से अपनी अदावत को भुनाने के लिये गुटनिरपेक्ष आंदोलन को एक तरह से खत्म कर दिया। संगठन को, जिसमें 60 फीसदी देश थे, उसके बन्धुत्व भाव तथा मानवीय रूप के लिये जाना जाता था। इसकी बजाये मोदी की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में न अपने ही देश के लोगों को अमेरिका द्वारा हथकड़ी–बेड़ियों में लाये जाने का विरोध करने का साहस है, न ही इजरायल द्वारा गजा में किये जा रहे नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का माद्दा। अफगानिस्तान, म्यांमार, नेपाल में होते घटनाक्रमों पर भी भारत सरकार मौन रहती है जबकि वह पहले खुलकर अपना पक्ष रखा करती थी। भारत की अपनी छवि अब एक उदार व संवेदनशील देश के बदले घोर साम्प्रदायिक राष्ट्र की हो चुकी है। यहां सरकार साम्प्रदायिकता का नेतृत्व भी करती है। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यकों के कथित जुल्म पर शोर–शराबा करने वाली सत्तारुढ़ पार्टी के समर्थक अपने यहां के अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने के आरोपियों के रूप में दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसके खिलाफ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाजें उठ चुकी हैं। सरकार की इस राष्ट्रीय नीति की छाया अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर पड़ी है। मोदी सरकार एवं उनकी पार्टी ने देश में मुस्लिम देशों, खासकर पड़ोस के पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश के खिलाफ घृणा का माहौल बनाया है। यही कारण है कि दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने पद के शपथ ग्रहण समारोह में, जिनके लिये मोदी ने कभी अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा दिया था, उन्हें न बुलाकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बुलाया था। अब उसी चीन को पड़ोसी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार युनुस मोहम्मद हाल के अपने चार दिवसीय दौरे में सुझाव दे रहे हैं कि भारत के 7 पूर्वोत्तर राज्य (जो सेवन सिस्टर्स कहलाते हैं) समुद्र से दूर यानी लैंड लॉक्ड हैं। बांग्लादेश से चीन उनकी घेराबन्दी कर सकता है। उल्लेखनीय है कि चीन की इस सम्पूर्ण पूर्वोत्तरी हिस्से पर लम्बे अर्से से नजर है और इनमें से कई राज्यों पर तो वह अपना अधिकार मानता रहा है। बांग्लादेश यदि चीन को इन प्रदेशों में विस्तार करने के लिये मदद देने को तैयार है तो यह भारतीय विदेश नीति की बड़ी असफलता है।

आसान नहीं है डगर तीसरे टर्म की

राजेंद्र शर्मा

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी, उसके बाद हुए विधानसभाई चुनावों में जीत जुगाड़ने के जरिए, भाजपा कम से कम मानसिक रूप से काफी हद तक उबरने में कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से हुए प्रमुख विधानसभाई चुनावों में दिल्ली से पहले तक भाजपा, वैसे तो हरियाणा तथा महाराष्ट्र की दो विधानसभाओं में ही जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी, जबकि झारखंड तथा जम्मू–कश्मीर में, अपनी सारी कोशिशों के बावजूद उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बावजूद, इन दो जीतों के सहारे ही भाजपा ने, जिसे अपने मनमुताबिक आख्यान गढ़ने तथा मीडिया पर अपने नियंत्रण के जरिए उसे चलाने में खास महारत हासिल है, सफलता के साथ यह माहौल बना दिया था कि लोकसभा चुनाव तो एक विचलन था और आमतौर पर जनता फिर से भाजपा के पीछे गोलबंद हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से, यह छवि और भी मजबूत हुई है कि मोदी के नेतृत्व में संघ–भाजपा जोड़ी ही चुनावी अजेयता फिर से लौट आई है और यहां से आगे मोदी राज की जीत ही जीत है। सिर्फ चुनावी जीत ही नहीं, आम तौर पर राजनीतिक जीत भी। उनके इसी भरोसे की अभिव्यक्ति, मोदी राज के तेजी से ऐसे कदमों के रास्ते पर बढ़ने में होती है, जो सबसे बढ़कर आरएसएस के बहुसंख्यकों के अपने पक्ष में सुदृढ़ीकरण और बढ़ते हिंदू–मुस्लिम ध्रुवीकरण के एजेंडे की ओर ले जाते हैं। बेशक, यह किन्हीं खास कदमों का या आरएसएस द्वारा उठायी गयी खास मांगों तक ही सीमित सवाल नहीं है। मोदी राज के तीसरे कार्यकाल के करीब ग्यारह महीनों में खासतौर पर भाजपायी राज्य सरकारों के सहारे, हर साधारण से साधारण मुद्दे का सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार में तब्दील किया जाना, इस देश ने देखा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संभल को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए एक और अयोध्या में तब्दील किया जाना भी शामिल है। इसमें महाकुंभ का ही नहीं, होली–ईद आदि सब का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायीकरण भी शामिल है और भाजपा–शासित राज्यों में खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ खुल्लमखुल्ला भेदभाव भी। जाहिर है कि आरएसएस के पुराने एजेंडे के अनुरूप, समान नागरिक संहिता का उत्तराखंड से शुरू कर, आगे बढ़ाया जाना भी इसमें शामिल है। इसी के हिस्से के तौर पर, संघ–भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक हथियार गढ़ा और आगे कर दिया। बहरहाल, तभी इस मुद्दे पर वर्तमान मोदी सरकार के समर्थन की सीमाएं सामने आ गईं। जहां लोकसभा में इस विधेयक के पेश किए जाने के बाद, उसे न सिर्फ धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों के मुखर विरोध का सामना करना पड़ा, वहीं खुद सत्ताधारी एनडीए में शामिल तेलुगू देशम तथा जनता दल–यूनाइटेड जैसी पार्टियों के प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष विरोध का भी सामना करना पड़ाय ये पार्टियां संघ–भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का ज्यों का त्यों अनुमोदन करने में असुविधा महसूस कर रही थीं। इसी का नतीजा था कि एक दुर्लभ पैंतरा अपनाते हुए, मोदी राज को इस विधेयक का संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा जाना स्वीकार करना पड़ा, ताकि इस पर विभिन्न पक्षों की और विस्तार से राय ली जा सके। यह एक प्रकार से इस विधेयक के ठंडे बस्ते में डाले जाने का ही पैंतरा था और उसे आम तौर पर उसी रूप में देखा जा रहा था। लेकिन, संभवतः इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ–भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वक्फ संशोधन विधेयक के पुनर्जीवित किए जाने की सुगबुगाहट होने के बाद से, धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पाघ्टयों ने और भी दृढ़ता तथा स्पष्टङ्घता के साथ इसके खिलाफ आवाज तो उठायी ही है, इसके खिलाफ खुद मुस्लिम समुदाय भी एक स्वर से विरोध करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। यहां तक कि इस बार रमजान–ईद के मौके पर, करोड़ों मुसलमानों ने काली पट्टिङ्घयां बांधकर, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण किंतु विराट सार्वजनिक प्रदर्शन किए हैं। इस सब का नतीजा यह हुआ कि एनडीए में भाजपा के, खुद को धर्मनिरपेक्ष दिखाने वाले सहयोगियों को संघ–भाजपा को परोक्ष रूप से यह संदेश देना पड़ा है कि इस मामले में उनके समर्थन को जेब में मानकर नहीं चला जाना चाहिए। जहां बिहार में, एक प्रमुख मुस्लिम मंच ने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी के बहिष्कार की घोषणा कर, उस राज्य में नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा दिया, जहां अगले छरू महीने के अंदर–अंदर चुनाव होने जा रहे हैं। इस दबाव से निपटने के लिए नीतीश कुमार ने किस तरह, संबंधित मुस्लिम मंच के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई और मुसलमानों के प्रति अपनी वफादारी के आम प्रदर्शन के दुहरे हथियार आजमाए हैं, इसकी चर्चा हम किसी और मौके पर करेंगे। यहां इतना कहना ही काफी है कि इस पूरे घटनाक्रम ने नीतीश कुमार को मुसलमानों के बीच अपनी छवि को, संघ–भाजपा से अलगाने के प्रति सचेत कर दिया है। उधर चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एक इफ्तारी के मंच का उपयोग, मुसलमानों को इसका भरोसा दिलाने के लिए किया कि, उनकी सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा करने की अपनी वचनबद्घता पर कायम है और रहेगी। वक्फ विधेयक विवाद की पृष्ठङ्घभूमि में उन्होंने खासतौर पर जोर देकर कहा कि मुसलमानों की जमीनों, परिसंपत्तियों पर किसी को भी बुरी नजर डालने इजाजत नहीं दी जाएगी। नायडू ने इसकी गारंटी भी दी। इसी दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधारी ने भी मेरठ तथा संभल आदि में ईद के मौके पर नवाज पर लगायी गयी पाबंदियों पर विरोधा जताते हुए, इसका संबंध राज्य या शासन के ज्यादा से ज्यादा ऑर्वेलियनीय बनते जाने के साथ जोड़ा और कहा कि यह उन्हें हर्गिज मंजूर नहीं है। उधार बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने सांप्रदायिक निहितार्थ वाले मुद्दों के उठाए जाने पर विरोध जताया और ऐसे मुद्दे उठाने के लिए अपने सहयोगियों तक को नहीं बख्शा। इस तमाम हलचल से, जिसके केंद्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिए जाने की मोदी राज की मुहिम का विरोध या नकार है, सिर्फ वक्फ संशोधन विधेयक के भविष्य को लेकर ही नहीं, खुद मोदी राज को लेकर भी वास्तविक सवाल खड़े हो गए हैं। बेशक, यह कहने का अर्थ यह कतई नहीं है कि इस मुद्दे को लेकर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, वर्तमान मोदी सरकार को हिला देने वाले हैं। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। लेकिन, इतना जरूर है कि नायडू–नीतीश आदि की ओर से मोदी राज को इसकी चेतावनी मिल सकती है कि वह आरएसएस के प्रति अपनी वफादारी के प्रदर्शन में, उन्हें जबर्दस्ती नहीं घसीट सकता है। यह आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने खुद नागपुर जाकर, आरएसएस के मुख्यालय में मत्था ही नहीं टेका है, सार्वजनिक रूप से आरएसएस की महानता का बखान भी किया है। यह आरएसएस के विभाजनकारी सांप्रदायिक चरित्र को परंपरा तथा संस्कृति की चादर से ढांपने की ही कोशिश थी, जिसके बाद उसे शासन–तंत्र में और गहराई तक रोपा जाएगा।

भाजपा में मोदी का विकल्प नहीं

अरविन्द मोहन

नए संवत्सर की शुरुआत पर गुड़ीपड़वा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री की भेंट का इंतजार बहुत लोगों को था लेकिन जो आधिकारिक बातें निकालकर आईं उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार समेत की बड़े मसलों पर इन दो शीर्षस्थ लोगों के बीच कोई निर्णयात्मक बात हुई। इस बीच अगर शिव सेना के संजय राऊत प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी वाली बहस न छेड़ते तो बातचीत का मसला न्यूज के हिसाब से फीका होकर एक किनारे लग गया होता। संजय राऊत से महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस बहस में उतरे और यह कहा कि न तो भाजपा को कोई उत्तराधिकारी चाहिए और न इस मसले पर कोई चर्चा हुई। उन्होंने इस बात का भी खंडन किया कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। उनके अनुसार 75 वर्ष पर सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला प्रधानमंत्री पर लागू नहीं होता और अगले चुनाव में भी नरेंद्र मोदी ही अगुआई करेंगे। संजय राऊत 75 वर्ष वाले मसले को उठाने के साथ फड़नवीस बनाम नितिन गडकरी जैसे सवालों को भी छेड़ रहे थे जो महाराष्ट्र और संघ परिवार की राजनीति के लिए काफी महत्व का है। लेकिन गौर से देखेंगे तो मोदी के उत्तराधिकार और भाजपा के अगले अध्यक्ष का सवाल पूरे मुल्क की राजनीति के हिसाब से काफी बड़ा है। अब ऐसा भी नहीं है कि संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री माइकध्कैमरा लगाकर सारी चर्चा करते और हम आप सभी उनकी बातचीत और भाव भंगिमा को सीधे देख सुनकर जान जाते। ऐसा होता नहीं है। पर जिस तरह मोदी जी ने भाजपा के अपने से पुराने नेताओं की जमात को 75 पार के नाम पर सिरे से दरकिनार कर दिया उससे यह उत्सुकता तो होनी ही है कि उनका 75 पूरा होने पर क्या होता है। लेकिन इससे भी ज्यादा साफ मसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा लोक सभा चुनाव के पहले यह कहना था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। वह खुद से सक्षम बन चुकी है। संयोग से उसके बाद उनका कार्यकाल भी खत्म होना था और चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब भी रहा। सो जब नई सरकार में उनको मंत्री बना दिया गया तो उन्होंने इस्तीफा दिया और नया अध्यक्ष चुने जाने तक कामचलाऊ अध्यक्ष के रूप में काम किए जा रहे है। अब साल नजदीक आ रहा है और भाजपा नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। जो बातें छन–छन कर सामने आती रहीं उनके अनुसार इसमें संघ द्वारा अपनी पसंद का आदमी लाना बड़ी वजह है जिससे साबित हों कि भाजपा अभी भी संघ से अलग नहीं है। दूसरी और व्यावहारिक बात भाजपा के कमजोर होने से संघ का हौसला बढ़ना है। और तब से यह काफी प्रचारित हुआ है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भाजपा ने संघ के सहारे ही हारती बाजी को पलटा है। इस लेखक की तरह काफी सारे लोग होंगे जिनकी दिलचस्पी भाजपा और संघ के संबंधों में किसके ऊपर और किसके नीचे होने में नहीं है। और यह गलतफहमी भी नहीं रखनी चाहिए कि कभी संघ और भाजपा जुदा होने या एक दूसरे का नुकसान करने जैसी स्थिति में आएंगे। पर हमारी दिलचस्पी नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी में जरूर है और इसका उनके 75 साल का होने से भी कोई मतलब नहीं है। आडवाणी जी, मुरलीमनोहर जोशी, कलराज मिश्र से लेकर रविशंकर प्रसाद तक को जब उनकी सम्पूर्ण सक्रियता और काम करने की इच्छा के बाद भी दरकिनार कर दिया गया तो शायद ही किसी को अच्छा लगा। उनकी भरपाई मोदी जी ने कुछ पूर्व नौकरशाहों और दूसरे क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर पूरी की। तीन–तीन चुनाव जितवाने वाले, अपनी सक्रियता और सारी स्थितियों पर पूरा कंट्रोल रखने वाले मोदी जी सिर्फ उम्र की सीमा के चलते किनारे हो जाएं तो यह भी अच्छा नहीं होगा। लेकिन उनके उत्तराधिकार का सवाल उससे ज्यादा बड़ा है। और दस ग्यारह साल के अपने शासन काल में उन्होंने स्थिति खुद भी ज्यादा मुश्किल बना ली है। आज राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी को छोड़कर बाकी कोई नाम नहीं बचा है और अगर वे विकल्प बन सकते हैं तो मोदी में ही क्या हर्ज है। मोदीजी के विकल्प का सवाल पूरे संघ परिवार या मोदी समर्थक जमात की मौजूदा स्थिति से भी जुदा है और इस लेखक ने जानबूझ कर अमित शाह का नाम दो बड़े लोगों के साथ नहीं जोड़ा क्योंकि उनका नाम आते ही उनके समर्थकों से ज्यादा विरोधी सक्रिय होंगे। वे कभी सारे लोगों या अधिकांश लोगों की पसंद नहीं बन सकते भले आज संगठन और सरकार में वे मोदी के बाद सबसे ताकतवर नेता हैं। लेकिन ऐसा मोदी जी के समर्थन और रणनीति के चलते है। असल में यह पूरा जमात आज दो धड़ों में बंटता दिखता है और शाह जी सिर्फ एक धडे को मान्य लगते हैं। वे कमोबेश मोदी जी की छाया बनाकर रह गए हैं, अपना आधार बनाना भूल गए हैं या उनका वैसा आधार नहीं रहा है. दूसरी ओर हिन्दुत्व की ज्यादा उग्र नई भाषा बोलने के उस्ताद योगी आदित्यनाथ और फड़नवीस ही नहीं भाजपा के ज्यादातर मुख्यमंत्री अपने–अपने आधार के साथ उसमें वृद्धि करते जा रहे हैं। अगर गोपनीय नाम वाले सोशल मीडिया समूहों की चर्चा को जरा भी भरोसेमंद मानें तो राजनाथ, गडकरी, शाह, नड्डा, शिवराज समेत सारे नरमपंथी हिंदुत्ववादी आज रायताज खेमे में आ गए हैं. योगी, फड़नवीस, मोहन द्वय समेत ज्यादा उग्रवादी भाषा बोलने और बुलडोजर को राजनैतिक हथियार बनाने वाले नेता ट्रेडिस अर्थात असली ट्रेडिशनलिस्ट हैं। ट्रम्प समर्थक और विरोधियों वाला यह वर्गीकरण आज यहां भी आ गया है। आज तो संघ का पूरा नेतृत्व ही पहले खेमे में गिना जाने लगा है। यह भी सच है कि दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुठ्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते। यह भी तय है कि ये लोग मोदी को छोड़कर किसी और को नेता नहीं मान सकते। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव में जब इनको महत्व नहीं मिला तो भाजपा का प्रदर्शन इस बात की गवाही है कि इनको पार्टी को नुकसान करने में भी कोई परहेज नहीं रहता। इनके अपने से देश और पार्टी नहीं चलेगी लेकिन ये मोदी के अलावा किसी और नाम पर सहमत नहीं हों सकते। दूसरी ओर कथित श्रायताजश अर्थात उदारवादी धडे के किसी नेता द्वारा इनको अपने साथ रख पाना उससे भी ज्यादा मुश्किल है। कार्यक्षमता और सैद्धांतिक पोजीशन से नेतृत्व पाने और मनवाने के दिन तो काफी पहले से लद गए हैं। ऐसे में मोदी है तभी तक मौजूदा स्वरूप में भाजपा और सरकार का चलना मुमकिन है।

डांस के साथ एक्टिंग और निर्देशन में भी माहिर हैं प्रभु देवा

कहे जाते हैं इंडिया के 'माइकल जैक्सन'

भारतीय सिनेमा के डांस के जादूगर कहे जाने वाले प्रभु देवा आज यानी की 03 अप्रैल को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से हर किसी को हैरान कर दिया है। प्रभु देवा को डांस में महारत हासिल है, इसके अलावा वह शानदार अभिनेता और कुशल निर्देशक हैं। उन्होंने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी कला से दर्शकों का दिल जीता है। प्रभु देवा के अनोखे डांस मूव्स ने उनको देशभर में मशहूर कर दिया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर प्रभु देवा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मैसूर में 03 अप्रैल 1973 को प्रभु देवा का जन्म हुआ था। वह एक बेहतरीन डांसर हैं। प्रभु देवा के पिता भी शानदार डांसर थे और वह साउथ इंडस्ट्री में डांस मास्टर के रूप में काम करते थे। प्रभु देवा की डांस प्रतिभा को देखते हुए उनके पिता ने उनको भरतनाट्यम के साथ वेस्टर्न डांस की भी शिक्षा दिलाई थी।

कई बड़े सितारों संग किया काम

बता दें कि न सिर्फ डांसिंग बल्कि निर्देशन के क्षेत्र में भी प्रभु देवा ने कमाल किया है। प्रभु देवा ने कई सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया। उन्होंने अक्षय कुमार, सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। इसके अलावा उनकी फिल्में श्पोकिरीश और श्नुव्वोस्तानान्ते नेनोद्दन्तानाश ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया। वहीं एक्टिंग के मामले में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी। श्काधलनश और श्मिनसारा कनावुश जैसी साउथ फिल्मों में प्रभु देवा का अदाकारी काफी ज्यादा पसंद की गई। इसके साथ ही उन्होंने बॉलीवुड में श्एबीसीडीश और श्स्ट्रीट डांसर थ्रीडीश जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया।

पर्सनल लाइफ

वहीं प्रभु देवा की पर्सनल लाइफ भी कम सुर्खियों में नहीं रही। उनकी शादी और डिवोर्स की खबरों ने खूब चर्चा बटोरी। दरअसल, साल 2010 में प्रभु देवा की पत्नी ने पारिवारिक न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। जिसमें प्रभु देवा और एक्ट्रेस नयनतारा के लिव–इन रिलेशनशिप से रोकने को अनुरोध किया गया था। इसके अलावा प्रभु देवा की पत्नी ने धमकी दी थी कि अगर प्रभु देवा ने नयनतारा से शादी की तो वह भूख हड़ताल करेंगी। वहीं उन्होंने कई महिला संगठनों ने नयनतारा के खिलाफ तमिल संस्कृति को बदनाम करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और उनका पुतला जलाया। साल 2011 में प्रभुदेवा का उनकी पत्नी से तलाक हो गया तो वहीं साल 2012 में नयनतारा ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने प्रभुदेवा के साथ अपने रिश्ते को समाप्त कर दिया है। हालांकि तमाम मुश्किलों के बाद भी प्रभु देवा ने हार नहीं मानी और लगातार अपने काम कर ध्यान दिया और आगे बढ़ते रहे।

पति अजय देवगन के बर्थडे पर काजोल का पोस्ट,तस्वीर शेयर कर यूं ली एक्टर की चुटकी

बॉलीवुड के सिंघम यानि एक्टर अजय देवगन 2 अप्रैल को अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कई स्टार्स और एक्टर्स के फैंस उन्हें जमकर बधाई दे रहे हैं।अजय की स्टार वाइफ काजोल ने भी एक्टर को जन्मदिन की बधाई दी है। काजोल ने अजय के साथ अपनी एक खूबसूरत और यादगार तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में काजोल और अजय की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। शेयर की तस्वीर के साथ लिखा कैप्शन भी काफी मजेदार है। अपने नटखट अंदाज के लिए फेमस काजोल ने अजय को बर्थडे विश करते हुए चुटकी ली। उन्होंने लिखा–सभी कूल लोग अगत्स में पैदा होते हैं लेकिन कोई बात नहीं, हम फिर भी तुम्हें हैप्पी बर्थडे कह देते हैं। हमेशा मुझसे बड़े होने के लिए धन्यवाद।काजोल और अजय ने साथ में कई फिल्में की हैं, और इसके बाद दोनों ने शादी रचा ली थी. काजोल और अजय ने साख में हलचल, गुंडाराज, इश्क, प्यार तो होना ही था, दिल क्या करे और राजू चाचा समेत कई फिल्मों में काम किया है। अजय और काजोल ने साल 1999 में शादी रचाई थी और इस शादी से स्टार कपल के दो बच्चे निसा और युग हैं। काजोल और अजय ने साथ में कई फिल्में की हैं जिसमें गुंडाराज, इश्क, प्यार तो होना ही था, दिल क्या करे और राजू चाचा समेत कई फिल्में हैं।

आशिकी 3 टीम ने की सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग से मुलाकात

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अपने आवास पर फिल्म निर्माता–निर्देशक अनुराग बसु, अभिनेता कार्तिक आर्यन और श्रीलीला से मुलाकात की। अधिकारियों ने बुध वार को यह जानकारी दी। अपकमिंग फिल्म आशिकी 3 की टीम एक सप्ताह से सिक्किम में है और राज्य भर में कई खूबसूरत स्थानों पर फिल्म की शूटिंग चल रही है। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने टीम को शुभकामनाएं दीं और सिक्किम को फिल्मांकन स्थल के रूप में चुनने के लिए आभार जताया। उन्होंने कलाकारों को पारंपरिक उपहार भी भेंट किए। इसके साथ ही, सीएम तमांग ने उनके प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार की ओर से निरंतर समर्थन का आश्वासन भी दिया। अपनी टीम की ओर से आभार व्यक्त करते हुए, बसु ने मुख्यमंत्री को उनके प्रोत्साहन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सिक्किम में कई स्थानों पर फिल्म की शूटिंग करने की अनुमति देने के लिए राज्य सरकार की सराहना भी की। गंगटोक और आस–पास के इलाकों में शूटिंग कर रहे अभिनेता कार्तिक आर्यन के सिक्किम में प्रशंसकों का बड़ा वर्ग देखने को मिला। अभिनेता ने लोगों से मिले प्यार और समर्थन पर आभार जताया। कार्तिक ने टीम की सुरक्षा करने के लिए सिक्किम पुलिस को विशेष धन्यवाद दिया, जिससे उन्हें अपना काम सुचारू रूप से पूरा करने में मदद मिली। इस बीच, अभिनेत्री श्रीलीला सिक्किम की खूबसूरती और वहां की परंपराओं से प्रभावित और खूबसूरती में खोई नजर आईं। उन्होंने बताया कि यह उनकी सिक्किम की पहली यात्रा है और वह राज्य की प्राकृतिक सुंदरता से इतनी मंत्रमुग्ध हैं कि उनकी पहली यात्रा यादगार बन गई है। कार्तिक आर्यन, श्रीलीला स्टारर अपकमिंग फिल्म की शूटिंग सिक्किम के खास स्थानों पर चल रही है, जिसमें एमजी मार्ग और त्सोंगमो झील भी शामिल हैं। फिल्म में राज्य के खूबसूरत दृश्यों, संस्कृति और पारंपरिक वास्तुकला दिखने की उम्मीद है, जिससे सिक्किम फिल्म निर्माण के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा मिलेगा।

छोरी 2' का नया पोस्टर हुआ रिलीज! नुसरत भरुचा का सामना इस बार और भी खौफनाक ताकत से

नुसरत भरुचा की बहुप्रतीक्षित हॉरर–थ्रिलर छोरी 2 11 अप्रैल 2025 को 'अमेजन प्राइम वीडियो' पर रिलीज होने जा रही है, और हाल ही में रिलीज किए गए नए पोस्टर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस पोस्टर में नुसरत बेहद इंटेंस और डरावने लुक में नजर आ रही हैं, जो एक गहरे, रहस्यमयी और रोमांचक अनुभव का संकेत देता है। नुसरत हमेशा से ही दमदार परफॉर्मेंस देने वाली एक्ट्रेस रही हैं, और 'श्छोरी 2श' के साथ फैंस को फिर से एक जबरदस्त और दिल दहला देने वाली हॉरर–थ्रिलर का इंतजार है। अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए, नुसरत ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए एक अनोखा सफर रही है। मुझे छोरी को मिले प्यार के लिए हमेशा आभारी रहूंगी, और अब मैं बेताबी से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक छोरी 2 की इस नई दुनिया को एक्सप्लोर करें!' विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी यह सीक्वल पहली फिल्म की तरह ही सस्पेंस और साइकोलॉजिकल हॉरर को और गहराई से दिखाने का प्रयास करेगी, खासकर उन दर्शकों

इस फेमस सिंगर ने घिबली के बढ़ते चलन पर जताई आपत्ति, बोले–ये तस्वीरें पर्यावरण को...

इन दिनों सोशल मीडिया पर घिबली ट्रेंड का फीवर देखने को मिल रहा है। यह ट्रेंड स्टूडियो घिबली के एआई टूल की मदद से कोई भी तस्वीर फेमस स्टूडियो की आर्ट स्टाइल में बदल जाती है, जिससे आम लोग और सेलिब्रिटी अपनी तस्वीरों को इस स्टाइल में बदलकर शेयर कर रहे हैं। हालांकि, इस ट्रेंड के बीच इंडियन आइडल 15 के जज और मशहूर सिंगर विशाल ददलानी ने इसे लेकर अपनी आपत्ति जताई है और लोगों से इस ट्रेंड को फॉलो न करने की अपील की है। विशाल ददलानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करते हुए घिबली ट्रेंड की आलोचना की। उन्होंने इसे 'एआई प्लेगियरिजेशन' (कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा साहित्यिक चोरी) बताया। विशाल ने लिखा, माफ कीजिए, मैं स्टूडियो घिबली स्टाइल में कोई भी फोटो शेयर नहीं करूंगा, जो आपने एआई के जरिए बनाई है। मैं किसी आर्टिस्ट की जिंदगी भर की मेहनत को एआई के जरिए चोरी करने को समर्थन नहीं दे सकता। विशाल ने अपनी पोस्ट में एआई द्वारा बनाई गई तस्वीरों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा, ये बताने की जरूरत नहीं है कि ये तस्वीरें पर्यावरण को कितना नुकसान पहुंचाती हैं। कृपया और तस्वीरें न बनाएं। धन्यवाद। साथ ही, उन्होंने अपने फैंस से यह भी अनुरोध किया कि वे उन्हें घिबली स्टाइल में बनी तस्वीरों में टैग न करें। हाल के दिनों में, अमिताभ बच्चन से लेकर रणवीर सिंह और परिणीति चोपड़ा जैसे बड़े स्टार्स भी घिबली ट्रेंड को फॉलो करते हुए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर चुके हैं। हालांकि, विशाल ददलानी इस ट्रेंड के खिलाफ अपने विचार रखने वाले कुछ सेलेब्स में से एक हैं। विशाल ददलानी फिलहाल सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 15 के जज के रूप में नजर आ रहे हैं, जहां उनके साथ श्रेया घोषाल और रैपर बादशाह भी हैं। विशाल हमेशा से अपने विचारों को बेबाक तरीके से व्यक्त करने के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी उन्होंने अपनी राय खुलकर रखी है।

मां ऐश्वर्या पर भारी पड़ी बच्चन परिवार की लाडली आराध्या, स्ट्रेट हेयर और ब्लू अनारकली सूट में लूटी महफिल

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या और अभिषेक बॉलीवुड के पावर कपल हैं। दोनों का रिश्ता लंबे समय से चर्चाओं में बना हुआ था। अनंत राधिका की शादी में जब दोनों ने अलग–अलग एंट्री ली तब लोगों को लगने लगा था कि शायद अब दोनों का रिश्ता टूटने की कगार पर है लेकिन दोनों को आराध्या के स्कूल फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया तब से फैन्स को कंफर्म हो गया कि दोनों के तलाक की खबरें झूठी हैं। हाल ही में इस कपल ने बेटी आराध्या संग एक फैमिली वेडिंग अटेंड की जिसकी कुछ और फोटोज वायरल हुए। वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि आराध्या और ऐश्वर्या गेस्ट के साथ मिलकर तस्वीर खिंचवाती नजर आ रही हैं। जहां ऐश्वर्या लाल रंग के सूट में दिख रही हैं। वहीं आराध्या ब्लू कलर के लॉन्ग अनारकली सूट और स्टाइलिश श्रग में नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर शादी के ग्रुप फोटो की है जहां ऐश्वर्या और आराध्या मैचिंग करती हुई नजर आ रही हैं और पीछे सफेद कोट में अभिषेक बच्चन नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में ऐश्वर्या और अभिषेक को अपनी आइकॉनिक फिल्म बंटी और बबली के मशहूर गाने कजरारे के हुक स्टेप्स पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। इस खास डांस में उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी शामिल हुईं।

गर्मियों में हीटवेव से बचने के लिए अपने शरीर को कैसे ठंडा रखें, इन जरुरी टिप्स को फॉलो करें

गर्मियों का मौसम आ चुका है और इसी के साथ हीट स्ट्रोक और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी होने लगी हैं। गर्मी के दिनों में न सिर्फ बाहर का वातावरण गर्म होता है बल्कि हमारा शरीर खुद भी अंदर से बहुत गर्म हो जाता है। जब हमारा शरीर अंदर से गर्म हो जाता है तो हमें थकान और हीट स्ट्रोक जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने का भी खतरा रहता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इन उपायों के बारे में बताते हैं।

पानी और जूस पीते रहें

अगर आप इन गर्मियों के दिनों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो आपको पानी पीते रहना चाहिए। गर्मियों के दिनों में यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप सामान्य से ज़्यादा पानी पिएं। इतना ही नहीं, आपको इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन भी शुरू कर देना चाहिए। ऐसे पेय पदार्थ आपके शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं।

नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अगर गर्मी के मौसम में आपका शरीर अंदर से बहुत ज़्यादा गर्म हो रहा है, तो आपको नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। जब घ्आप ऐसा करते हैं, तो आपके शरीर का तापमान नियंत्रण में रहता है। अगर नहाने के बाद भी आपको बहुत ज़्यादा गर्मी लग रही है, तो आप अपनी कलाई, गर्दन, माथे और पैरों पर कूलिंग पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको गर्मी से राहत मिलती है।

हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां खाएं

अगर आप गर्मियों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप अपनी डाइट में हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां शामिल करना शुरू कर दें। जब आप अपनी डाइट में खीरा, तरबूज़ और खट्टे फल शामिल करते हैं, तो आपको गर्मी से काफ़ी राहत मिलती है।

हल्के और ढीले कपड़े पहनने से आराम मिल सकता है

गर्मी के इन दिनों में आप किस तरह के कपड़े पहनते हैं, इसका आपके शरीर के तापमान पर गहरा असर पड़ता है। आपको हल्के और ढीले कपड़े चुनने चाहिए ताकि आपके शरीर का तापमान न बढ़े, दिनभर ठंडक बनी रहे।

नवरात्रि के दिनों में बाल धोने चाहिए या नहीं ?

नवरात्रि का पर्व बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण है। इस दौरान लोग देवी दुर्गा की पूजा करते हैं और उपवासी रहते हैं। इस समय कुछ खास धार्मिक आस्थाएं और नियम होते हैं जिनका पालन करना जरूरी माना जाता है। नवरात्रि के दौरान बाल धोने, नाखून काटने और अन्य कुछ शारीरिक कार्यों के बारे में भी खास मान्यताएं हैं।आइए जानते हैं नवरात्रि में बाल धोने और देखभाल से जुड़ी कुछ विशेष बातें।

नवरात्रि में बाल धोने से जुड़े खास नियम

नवरात्रि के दौरान बाल धोने से जुड़े कोई निश्चित और कठोर नियम नहीं हैं। लेकिन, व्रत के दौरान कई लोग यह मानते हैं कि बाल नहीं धोने चाहिए। खासकर उन दिनों में जब व्रत रखें जाते हैं, तब शारीरिक कार्यों से बचने की सलाह दी जाती है ताकि पूजा के दौरान ध्यान भंग न हो। हालांकि, अगर किसी कारणवश व्रत के दिन बाल धोने की जरूरत पड़े, तो इसका एक आसान उपाय हैकृकच्चा दूध बालों में लगाकर बाल धोना। यह उपाय बालों को साफ करने के साथ–साथ उन्हें पोषण भी प्रदान करता है और किसी भी प्रकार की शारीरिक शुद्धता में कोई बाधा नहीं डालता।

नवरात्रि में बाल और नाखून काटने से बचें

नवरात्रि के दौरान यह माना जाता है कि शरीर से जुड़ी कोई भी चीज काटने से पवित्रता में बाधा आती है। इसलिए नवरात्रि के दिनों में बाल और नाखून काटने से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दौरान शरीर को शुद्ध रखने के लिए बाल और नाखून नहीं काटे जाते। नाखून और बाल काटने से व्यक्ति की शुद्धता में विघ्न आ सकता है और पूजा का सही रूप से पालन नहीं हो पाता।

नवरात्रि में बालों की देखभाल के लिए ये सुझाव अपनाए जा सकते हैं

अच्छे आहार का सेवन करें: नवरात्रि में शरीर को अंदर से मजबूत बनाने के लिए आहार का सही चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बालों के लिए प्रोटीन, आयरन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर आहार लें। फल, हरी सब्जियाँ, दालें और नट्स आदि खाएं, जो बालों को पोषित करने में मदद करते हैं।

नियमित रूप से हेयर ऑयल का इस्तेमाल करें: बालों को मजबूत और स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से अच्छे हेयर ऑयल का उपयोग करें। नवरात्रि के दौरान बालों को शुद्ध और सुरक्षित रखने के लिए नारियल तेल, आंवला तेल या तिल का तेल अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

बालों को भीतर से पोषित करें: बालों की देखभाल केवल बाहरी रूप से नहीं, बल्कि अंदर से भी करनी चाहिए। इसके लिए बालों को पोषण देने वाली खाद्य पदार्थों का सेवन करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

सही बाल देखभाल प्रथाओं का पालन करें: नवरात्रि के दौरान अपने बालों को धोने के लिए शुद्ध पानी का इस्तेमाल करें और बालों को ठीक से सुखाएं। न ज्यादा गर्म पानी और न ही ज्यादा ठंडा पानी इस्तेमाल करें, क्योंकि यह बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

नवरात्रि में इन कामों से बचें

तामसिक चीजों से बचें: नवरात्रि में तामसिक चीजों जैसे शराब, तंबाकू और मांसाहारी भोजन का सेवन करने से बचें। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, बल्कि पूजा की पवित्रता में भी विघ्न डालता है।

नाखून काटना और बाल कटवाना: जैसा कि पहले बताया गया है, नवरात्रि के दौरान नाखून काटने, बाल कटवाने या दाढ़ी काटने से बचें। यह धार्मिक आस्थाओं के अनुसार पवित्रता को बनाए रखने में मदद करता है।

दिन में नहीं सोना चाहिए: व्रत रखने वाले व्यक्तियों को दिन में सोने से बचना चाहिए। दिन में सोने से शरीर की ऊर्जा कम होती है और पूजा के दौरान ध्यान में कमी आ सकती है।

अगर आप नवरात्रि के दौरान इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो यह न केवल आपके शरीर को शुद्ध रखेगा, बल्कि पूजा और व्रत को सही तरीके से पालन करने में भी मदद करेगा।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए फेस पर लगाएं अंडा, इन आसान तरीकों से बनाएं फेस पैक

अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी त्वचा पर नैचुरल ग्लो आए और वह चमकदार दिखे, तो अंडा एक बेहतरीन और सस्ता उपाय है। अंडे में प्रोटीन, विटामिन और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपकी त्वचा को पोषण देते हैं और इसे ताजगी से भर देते हैं।

अंडे के फायदे त्वचा के लिए

त्वचा को टाइट और ग्लोइंग बनाता है। पोर्स को कम करने में मदद करता है। पिम्पल्स और एक्ने को कम करता है। त्वचा को हाइड्रेट करता है और चमक देता है

फेस पैक बनाने के आसान तरीके

अंडे और शहद का फेस पैक

सामग्रीः 1 अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच शहद

तरीकाः अंडे का सफेद भाग अच्छी तरह फेंटें जब तक वो फोम जैसा न हो जाए। इसमें शहद डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें। जब सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को हाइड्रेट करता है और ग्लो देता है।

अंडा, दही और नींबू का फेस पैक

सामग्रीः1 अंडे का सफेद भाग, 2 चम्मच दही, 1/2 चम्मच नींबू का रस

तरीकाः अंडे के सफेद भाग को फेंटकर उसमें दही और नींबू का रस मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह फेस पैक तेलीय त्वचा के लिए बेहतरीन है और चमक बढ़ाता है।

अंडा, हल्दी और बेसन का फेस पैक

सामग्रीः 1 अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर

तरीकाः सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के लिए सूखने दें। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को चमकदार और उज्ज्वल बनाता है।

अंडा और ओट्स का फेस पैक

सामग्रीः 1 अंडे का पीला भाग (योक), 2 चम्मच ओट्स (पिसे हुए), 1 चम्मच दूध

तरीकाः सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं। चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। यह पैक सूखी त्वचा के लिए पोषण और नमी प्रदान करता है।

ध्यान देने वाली बातें: फेस पैक लगाने से पहले हमेशा एक पैच टेस्ट करें ताकि कोई एलर्जी न हो। साफ चेहरे पर ही फेस पैक लगाएं। फेस पैक के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। अंडे से बने फेस पैक न सिर्फ सस्ते और आसान हैं, बल्कि आपकी त्वचा को प्राकृतिक ग्लो देने में भी मदद करते हैं। नियमित रूप से इन फेसपैक्स को इस्तेमाल करें और देखें कैसे आपकी त्वचा दमकने लगेगी।

नवरात्रि में बनाएं टेस्टी खिली-खिली साबूदाना की खिचड़ी, नोट करें रेसिपी

नवरात्रि का पर्व आरंभ हो चुका है, आज नवरात्रि का तीसरा दिन है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है। अगर आप भी नौ दिनों तक व्रत रखना चाहते हैं, तो साबूदाना खिचड़ी घर में बना सकते हैं। लेकिन जब साबूदाना खिचड़ी बनाते हैं तो खिली–खिली नहीं बनती, इसे बनाने के बाद चिपचिपी हो जाती है। लेकिन अब टेशन लेने की जरुरत नहीं है। अब आप झटपट से खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी। चौत्र नवरात्रि का पर्व शुरु हो चुका। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा की जाती है। भक्त जन 9 दिनों तक व्रत रखा जाता है। नौ दिनों तक व्रत रखने के वाले व्यक्ति को फलाहार के लिए कुछ खास रेसिपी भी जरुर बनाता है। ज्यादातर लोग नवरात्र में साबूदाना खिचड़ी जरुर बनाते हैं, इससे पेट भी भरा रहता है। साबूदाना खिचड़ी हम सभी घर पर बना तो लेते हैं लेकिन ये बार–बार छिपक जाती है। खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी बनाना काफी मुश्किल होता है। आइए जानते हैं चौत्र नवरात्रि में कैसे बनाएं खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी।

साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए सामग्री

– 1 कटोरी साबूदाना
– 1/2 कटोरी मूंगफली दाना
– 1 उबला हुआ आलू
– 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया
– 2 कटी हुई हरी मिर्च
– 1 नींबू
– 10 कढ़ी पत्ते
– 1 छोटा चम्मच घी
– स्वादानुसार सेंधा नमक

साबूदाना खिचड़ी बनाने का तरीका

सबसे पहले आप साबूदाना साफ करें फिर उसे धोकर 2–3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। ऐसा करने से साबूदाना फूलकर नरम हो जाएगा। फिर आप एक पैन में मूंगफली के दाने डालकर धीमी आंच पर भून लें और ठंडे होने के लिए रख दें। मूंगफली दाने ठंडे होने के बाद उन्हें हाथों मसलकर छिलके अलग करके दरदरा कूट लें। फिर आप आलू, हरी मिर्च, हरी धनिया पत्ती तो बारीक–बारीक काट लें। इसके बाद एक कड़ाही लें उसमें घी डालकर मीडियम आंच पर गर्म कर लें। घी गर्म करें उसमें जीरा डालकर भूनें। इसे फ्राई करें फिर भिगोकर रखा हुआ साबूदाना दाना डालकर करछी से अच्छी तरह मिक्स रहें। 5 मिनट बाद साबूदाना दरदरी कूटी हुई मूंगफली, हरी धनिया पत्ती और सेंधा नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। सबसे आखिरी में आप नींबू का रस डालकर खिचड़ी को 2 मिनट और पकाकर गैस बंद कर दें और आपकी व्रत वाली साबूदाना खिचड़ी तैयार है।

संक्षिप्त

डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ लागू करते ही शेयर बाजार में हाई वोल्टेज ड्रामा दिखा, भारतीय रुपया और शेयर बाजार में दिखेगा ये बदलाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दक्षिण एशियाई राष्ट्र से आयात पर 26 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाया गया है। इस ऐलान के बाद गुरुवार को जब सुबह शेयर बाजार खुला तो गिरावट के साथ खुला। इस दौरान शेयर बाजार में दबाव भी बना रहा। इस स्तर ने कुछ विश्लेषकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला है। गुरुवार तीन अप्रैल की सुबह जैसे ही शेयर बाजार खुला तो निवेशकों में अमेरिका के नए टैरिफ हमले के कारण काफी घबराहट देखने को मिली जो बाजार पर भी देखी गई। इस कारण बिकवाली का दबाव बना। शेयर बाजार को लगे शुरुआती झटके के बाद मार्केट ने कुछ समय बाद खुद को संभालाष सेंसेक्स ने 76,493.74 अंकों का स्तर छू लिया। निफ्टी भी 160.7 अंकों की छलांग लगाकर 23,306.50 पर पहुंच गया। निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन रोलरकोस्टर राइड जैसा रहा है। यहां सुबह मंदी के साए में ही शेयर बिके है। फार्मा सेक्टर इस दौरान ताकतवर बना रहा। तेल के दामों में नरमी देखने को मिली। वहीं रुपये को भी बाद में मजबूती मिली है, जिससे बाजार फिर से पटरी पर लौटा है।

रुपये में हुआ सुधार

कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन भारतीय रुपया 85.78 से सुधरकर 85.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए नए टैरिफ ऐलान को देखते हुए डॉलर में अस्थिरता देखने को मिली है। निवेशक जापानी येन और स्विस फ्रैंक जैसे सुरक्षित संपत्तियों की ओर बढ़े।

1.93 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

सुबह शेयर बाजार में गिरावट आई थी जिससे निवेशकों को बड़ा झटका लगा था। बाजार के संभलने के बाद थोड़ी राहत निवेशकों को मिली है। आंकड़ों पर गौर करें तो बाजार खुलने के साथ ही निवेशकों के 1.93 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई मार्केट कैप 4,12,98,095 करोड़ रुपये से घटकर 4,11,04,925 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। शेयर बाजार को बचाने में फार्मा ने काफी मदद की। फार्मा स्टॉक्स की चमक, कच्चे तेल की गिरावट और बाजार की मजबूती से नुकसान की भरपाई हुई।

सीएमआईई की रिपोर्ट : देश में लगातार घट रहे रोजगार के अवसर, 42 लाख लोगों की नौकरियों पर खतरा

नई दिल्ली। देश में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। आलम यह है कि मार्च, 2025 में भारतीय श्रम बाजार सिकुड़ गया, जिससे 42 लाख लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है। इनमें से कुछ लोगों की नौकरी चली गई है और कइयों ने रोजगार की तलाश बंद कर दी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी में देश का श्रम बल 45.77 करोड़ से 42 लाख घटकर मार्च में 45.35 करोड़ रह गया। यह नवंबर, 2024 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। वहीं, रोजगार की संख्या भी फरवरी के 41.91 करोड़ से घटकर मार्च में 41.85 करोड़ रह गई। दिसंबर, 2024 के बाद से लगातार तीन महीनों तक रोजगार में गिरावट देखने को मिली है। श्रम बल और रोजगार में यह निरंतर गिरावट अर्थव्यवस्था में मंदी का संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च में बेरोजगारों की संख्या 3.86 करोड़ से घटकर 3.5 करोड़ रह गई। फरवरी की तुलना में मार्च में करीब 36 लाख कम लोग सक्रिय रूप से नौकरी तलाश कर रहे थे। ये 36 लाख लोग संभवतः रोजगार के अवसरों की कमी के चलते मार्च में श्रम बाजारों से बाहर निकल गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य तौर पर हर महीने बेरोजगारों की संख्या में करीब 10 लाख की शुद्ध वृद्धि होती है। मार्च, 2021 से मार्च, 2025 के दौरान हर महीने औसत शुद्ध वृद्धि 9.90 लाख थी। बेरोजगारों की संख्या में कमी आने के कारण बेरोजगारी दर फरवरी के 8.4 फीसदी की तुलना में मार्च में घटकर 7.7 फीसदी रह गई। बेरोजगारी दर में गिरावट का मतलब है कि आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। लेकिन, स्थिति एकदम उलट है, क्योंकि बेरोजगारी दर के साथ रोजगार के अवसर भी कम हो रहे हैं। दिसंबर, 2024 में कामकाजी आयु वर्ग की 38 फीसदी से अधिक आबादी के पास रोजगार था, जबकि मार्च, 2025 में ऐसे लोगों की संख्या घटकर 37.7 फीसदी रह गई।

सोना 94150 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर स्थिर, चांदी 1000 रुपये टूटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें बुधवार 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर अपरिवर्तित रही। अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार अमेरिकी टैरिफ की चिंताओं के बीच सोने की कीमतों में स्थिरता दिखी। इससे पहले मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्ध वाले सोने का भाव 2000 रुपये की बढ़त के साथ 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव बुधवार को 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर स्थिर रहा।

चांदी की कीमतों में 1000 रुपये की गिरावट

सोने के कारोबारियों के अनुसार अमेरिका के जवाबी टैरिफ के खतरे को देखते हुए आने वाले समय में सोने की कीमतों में तेजी दिख सकती है, क्योंकि दूसरी संपत्तियां उतार–चढ़ाव के दबाव में हैं। चांदी की कीमतें बुधवार को 1000 रुपये की गिरावट के साथ 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच गई। चांदी मंगलवार को 1,02,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी के अनुसार निवेशक यह आकलन करने में जुटे हैं कि अमेरिकी टैरिफ वैश्विक व्यापार, अर्थव्यवस्था और भू–राजनीतिक मोर्चे को कैसे प्रभावित करेंगे? निवेशक उसी आधार पर अपनी प्रतिक्रिया देंगे। अनिश्चितता के ऐसे माहौल में आम तौर पर कीमती धातुओं की कीमतों में बढ़त दिखती है।

गुजरात के खिलाफ क्यों हारी आरसीबी की टीम ? कप्तान रजत पाटीदार ने बताई वजह, शीर्ष क्रम पर ठीकरा फोड़ा

कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा। आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन, जितेश और टिम डेविड की बदौलत आरसीबी 169 रन बनाने में कामयाब रही।

बेंगलुरु। आईपीएल 2025 में बुधवार को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह इस सत्र में बेंगलुरु की पहली हार रही है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 169 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने 17.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हार के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने हार की वजह बताई है। उन्होंने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को लताड़ लगाई है। कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा। आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफेन रदरफोर्ड (18 गेंद में नाबाद 30 रन, तीन छक्के–एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। मोहम्मद सिराज ने 19 रन देकर तीनस जबकि साई किशोर ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए जिससे आरसीबी ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। पाटीदार ने कहा कि उनकी की टीम नजरें 190 के आसपास का स्कोर बनाने पर थी। पाटीदार ने मैच के बाद कहा, 200 नहीं, लेकिन हम 190 के आसपास के स्कोर को लक्ष्य बना रहे थे। शुरुआती विकेटों ने इस मैच में हमें नुकसान पहुंचाया। इरादा अच्छा था लेकिन पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने ने अंतर पैदा किया। पाटीदार ने कहा कि दूसरी पारी में पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ी बेहतर हो गई थी। आरसीबी के कप्तान ने कहा, दूसरी पारी में पिच थोड़ी बेहतर हो गई (बल्लेबाजी के लिए), लेकिन जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वह शानदार था। उन्होंने कड़ी मेहनत की और यह आसान नहीं था। पाटीदार ने जितेश, लिविंगस्टोन और टिम डेविड की भी सराहना की। उन्होंने कहा, तीन विकेट गिरने के बाद जिस तरह से जितेश, लियाम और टिम ने बल्लेबाजी, वह देखना शानदार था और इस मैच से सकारात्मकता मिली। हम अपनी बल्लेबाजी इकाई के बारे में बहुत आश्वस्त हैं और वे जिस तरह से इरादा दिखा रहे हैं, वह एक सकारात्मक संकेत है।

इस घटना के बाद गुजरात टाइटंस को मैच जिताने के लिए प्रतिबद्ध थे बटलर, बोले- शर्मिंदा महसूस कर रहा था

बंगलूरू। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस को दूसरी जीत दिलाने वाले जोस बटलर ने कहा है कि रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट का कैच छोड़ने के बाद वह शर्मिंदा महसूस कर रहे थे। तभी उन्होंने गुजरात को जीत दिलाने के बारे में सोच लिया था। बटलर ने 39 गेंद पर नाबाद 73 रन बनाए जिससे गुजरात की टीम ने मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। बटलर ने कहा कि सॉल्ट का कैच छोड़ने के बाद वह शर्मिंदा महसूस कर रहे थे, लेकिन इसकी भरपाई बल्लेबाजी से करने को लेकर प्रतिबद्ध थे। इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज बटलर ने मैच के बाद कहा, श्मैं नहीं जानता कि ऐसा कैसे हुआ, लेकिन मैं शर्मिंदा महसूस कर रहा था। हम सभी जानते हैं कि सॉल्ट कितने विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इसलिए मैं कैच छोड़ने की भरपाई बल्लेबाजी में करने को लेकर प्रतिबद्ध था। बटलर ने आरसीबी के पहले ओवर में ही मोहम्मद सिराज की गेंद पर सॉल्ट का कैच छोड़

दिया था। बटलर ने बाद में स्वीकार किया कि उनकी टीम ने अच्छी फील्डिंग नहीं की। उन्होंने कहा, श्एक टीम के रूप में पर हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं थी। अगर हमने अच्छी फील्डिंग की होती तो हमें छोटे लक्ष्य का पीछा करना पड़ता। यह अच्छा है कि हम जीत हासिल करने में सफल रहे। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।' मैच की बात करें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 169 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने 17.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफेन रदरफोर्ड (18 गेंद में नाबाद 30 रन, तीन छक्के–एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत हासिल की।

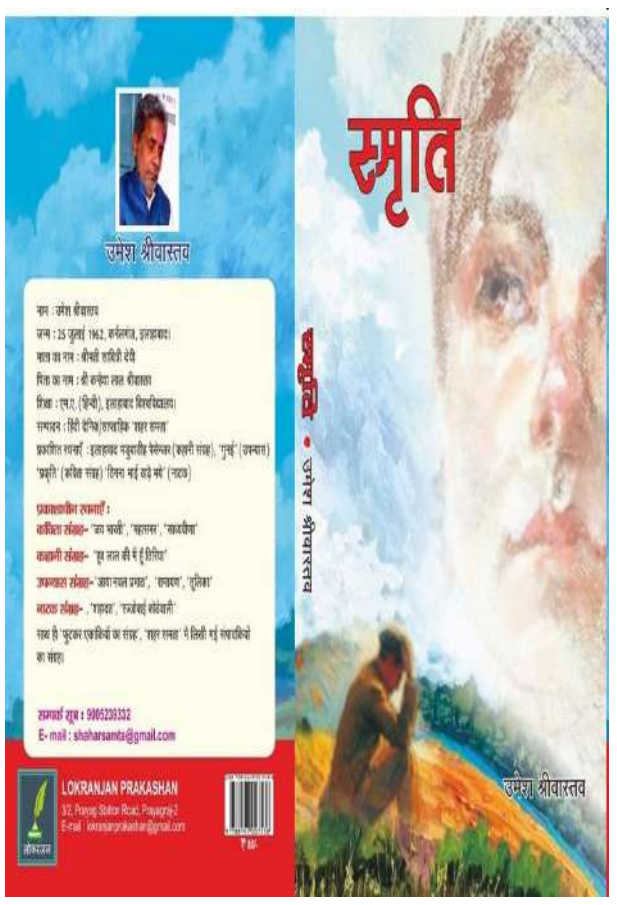

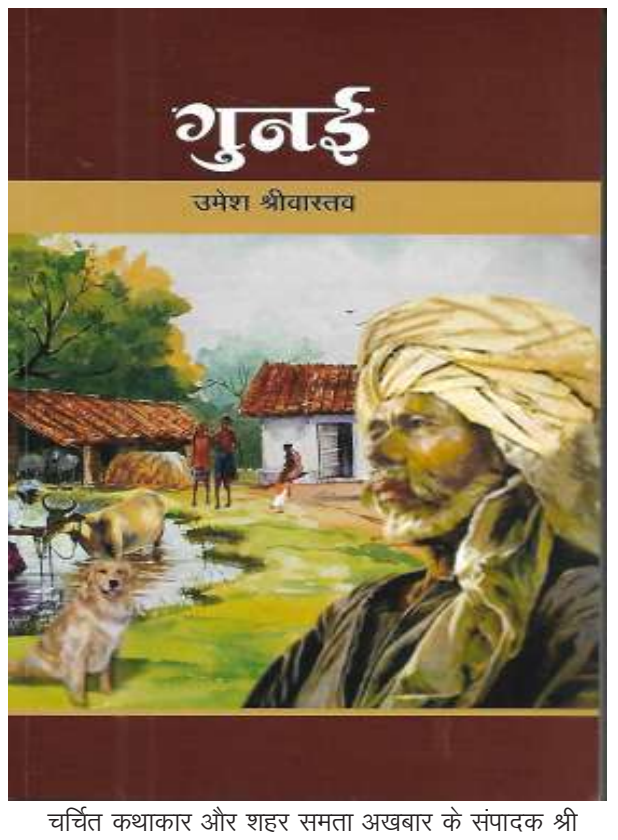

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

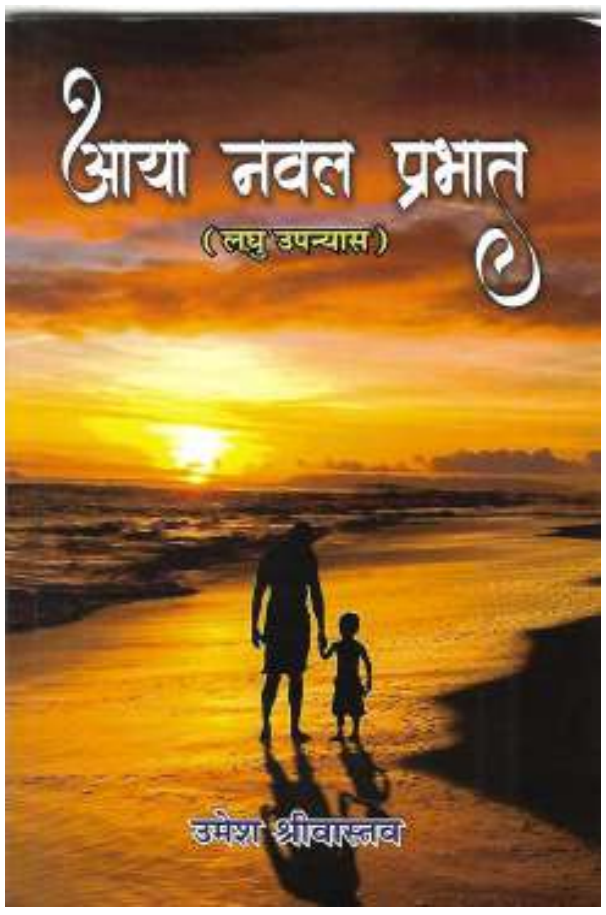

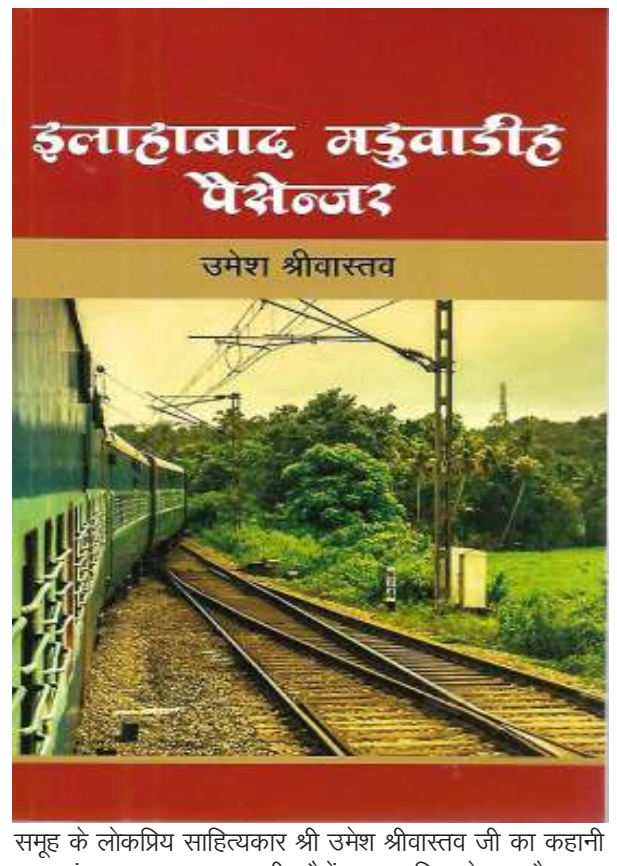

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

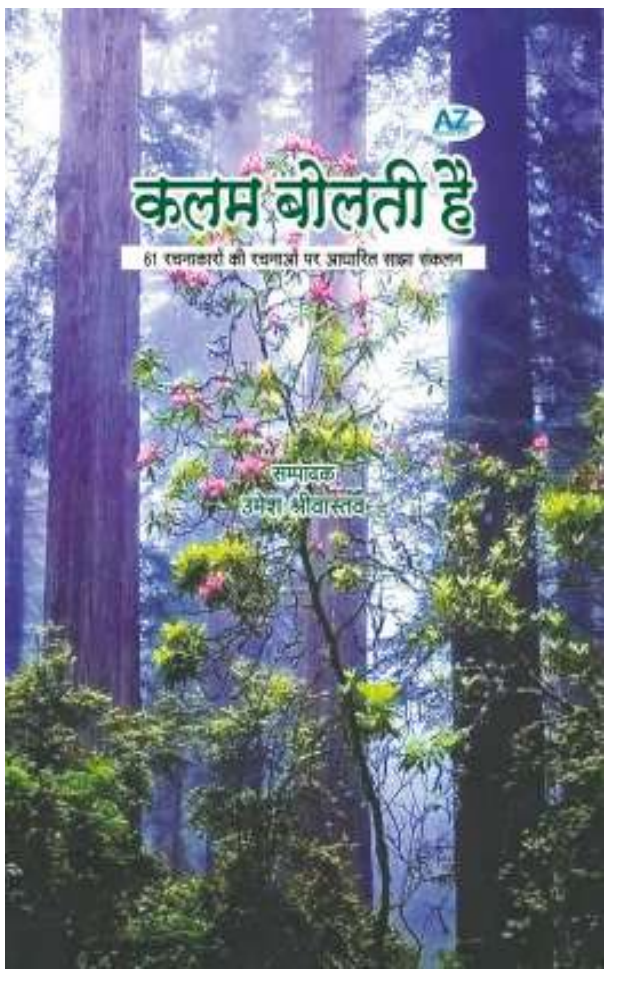

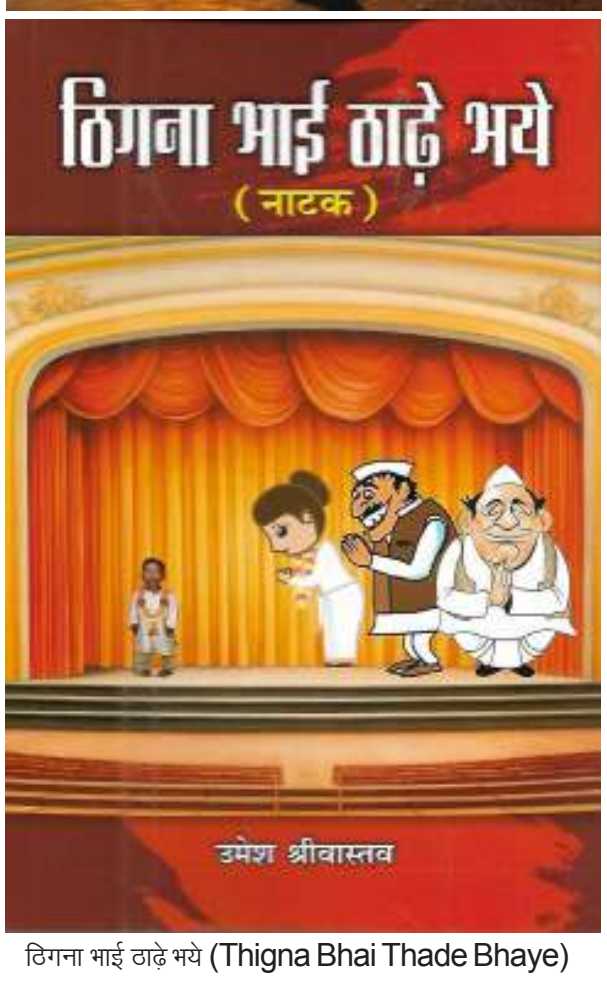

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रप की दोस्ती से तो दुश्मनी भली, टैरिफ का बनाया कैसा रूल? भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे सहयोगियों पर सख्ती, रूस-उत्तर कोरिया जैसे देशों को फूल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक एक्सीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिया। जिसके बाद लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों पर नए टैरिफ की घोषणा की गई, जिसमें चीन से आयात पर 34 प्रतिशत और यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत कर शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे लिबरेशन

डे के दिन के रूप में वर्णित किया। ट्रंप ने अपने फैसले में भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान जैसे सहयोगियों को भी नहीं बख्शा है। लेकिन इससे ठीक इतर ट्रंप ने अपने कट्टर दुश्मनों को इसमें रियासत दी है। रूस, क्यूबा, बेलारूस, और उत्तर कोरिया जैसे देशों को इस नए टैरिफ से छूट दी गई है। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश जितना टैरिफ अमेरिका पर लगाता है, ट्रंप ने उसका आधा टैरिफ लगा दिया है। अफगानिस्तान 49 फीसदी टैरिफ लगाता है, उस हिसाब से उस पर 25 फीसदी टैरिफ लगना चाहिए था। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उस पर सिर्फ 10 फीसदी टैरिफ लगाया।

ट्रंप ने पुतिन को लेकर क्या कहा

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अगर वह और रूस यूक्रेन में रक्तपात को रोकने के लिए कोई समझौता करने में असमर्थ रहे और अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती थी, जो कि हो सकता है कि न हो, लेकिन अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती है तो रूस से आने वाले सभी तेल पर सेक्रेडरी टैरिफ लगाएंगे।

अमेरिका ने रूस को क्यों दी राहत

एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि रूस को अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी गई है, क्योंकि यह पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के अधीन है। इसके अतिरिक्त, रूस ने ट्रम्प से अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के हिस्से के रूप में उस पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटाने का भी आग्रह किया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद अमेरिकी प्रतिबंधों की बौछार के कारण, अमेरिका–रूस व्यापार, जो 2021 में 35 बिलियन अमरीकी डॉलर का हुआ करता था, लगभग 3.5 बिलियन डॉलर तक गिर गया।

हंगरी का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की सदस्यता छोड़ने का एलान, नेतन्याहू के दौरे से पहले लिया फैसला

बुडापेस्ट। हंगरी, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की सदस्यता छोड़ने की तैयारी कर रहा है। हंगरी की सरकार ने एक बयान जारी कर कहा है कि वे गुरुवार से अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की सदस्यता छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि सदस्यता छोड़ने की पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संवैधानिक ढांचे के अनुरूप ही होगी। हंगरी का यह एलान ऐसे समय आया है, जब जल्द ही इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट का दौरा करने वाले हैं। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में नरसंहार करने के आरोप में वारंट जारी किया हुआ है। दक्षिणपंथी विक्टर ओर्बन के नेतृत्व वाली हंगरी की सरकार ने बीते साल नवंबर में नेतन्याहू को हंगरी आने का न्योता दिया था। आईसीसी ने नेतन्याहू के खिलाफ जो वारंट जारी किया था, उसके बाद ही यह न्योता दिया गया था। विक्टर ओर्बन को नेतन्याहू का करीबी माना जाता है और उन्होंने नेतन्याहू के खिलाफ जारी हुए गिरफ्तारी वारंट को बेशर्मी भरा और निंदनीय बताया था। दरअसल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का सदस्य होने के नाते हंगरी को नियमों के तहत नेतन्याहू के खिलाफ जारी वारंट के चलते उन्हें हंगरी पहुंचने पर हिरासत में लेना पड़ता, लेकिन अब हंगरी ने आईसीसी की सदस्यता ही छोड़ने का एलान कर दिया है।

अमेरिका में भयंकर तूफान से तबाही, एक युवक की मौत(बिजली के खंभे और पेड़ धराशाई, घरों की छतें उड़ गई

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण और मध्य पश्चिम क्षेत्र के बड़े इलाके में भयंकर तूफान ने भारी तबाही मचाई। इसमें एक युवक की मौत हो गई। इसके अलावा बिजली की लाइनें और पेड़ गिर गए। कई घरों की छतें तक उड़ गईं। मौसम विभाग ने देश के अर्कांसस, इलिनोइस, इंडियाना, मिसौरी और मिसिसिपी के कुछ हिस्सों में तूफान की चेतावनी जारी की थी। अब अगले चार दिन बर्फीले तूफान और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तूफान से दक्षिण–पूर्व मिसौरी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इंडियाना में एक गोदाम का हिस्सा ढह गया। एक व्यक्ति गोदाम के अंदर फंस गया। उधर, अर्कांसस में तूफान आपातकाल जारी किया गया। यहां मलबा हवा में हजारों फीट ऊपर उड़ गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में दक्षिण और मध्यपश्चिम में संभावित रूप से घातक बाढ़ का खतरा भी आने का अनुमान जताया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

डोनाल्ड ट्रंप ने ने भारत पर लगाया 26% टैरिफ, बोले– अमेरिका को फिर से महान बनाना है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से आयात पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह हमारी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा है। वर्षों से, मेहनती अमेरिकी नागरिकों को किनारे बैठने के लिए मजबूर किया गया, जबकि अन्य देश अमीर और शक्तिशाली होते गए, और इसका अधिकांश हिस्सा हमारी कीमत पर हुआ। आज की कार्रवाई के साथ, हम अंततः अमेरिका को फिर से महान बनाने में सक्षम होने जा रहे हैं, पहले से कहीं अधिक महान। ट्रम्प ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बहुत अच्छे मित्र हैं और अमेरिका ने कई वर्षों से भारत पर कोई टैरिफ नहीं लगाया है। ट्रम्प ने घोषणा की कि पारस्परिक व्यापार नीतियों को लागू करने की अपनी योजना के तहत अमेरिका चीनी आयात पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने अपने भाषण में ऑटोमोबाइल के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अन्य देशों से मोटरसाइकिलों पर केवल 2.4 प्रतिशत टैरिफ वसूलता है। इस बीच, थाईलैंड और अन्य देश बहुत अधिक कीमत वसूल रहे हैं जैसे भारत 70:, वियतनाम 75: और अन्य उससे भी अधिक शुल्क वसूल रहे हैं। ऐसे भयावह असंतुलन ने हमारे औद्योगिक आधार को तबाह कर दिया है और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। मैं इस आपदा के लिए इन अन्य देशों को बिल्कुल भी दोषी नहीं मानता। मैं पूर्व राष्ट्रपतियों और पिछले नेताओं को दोषी मानता हूँ जो अपना काम नहीं कर रहे थे। आधी रात से प्रभावी, हम सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25: टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ ही क्षणों में, मैं दुनिया भर के देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने वाले ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा। पारस्परिकरू इसका मतलब है कि वे हमारे साथ ऐसा करते हैं और हम उनके साथ ऐसा करते हैं। मेरी राय में, यह अमेरिकी इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। उन्होंने कहा कि मेरे साथी अमेरिकी, यह मुक्ति दिवस है, जिसका लंबे समय से इंतजार था। 2 अप्रैल, 2025 को हमेशा याद किया जाएगा क्योंकि इस दिन अमेरिकी उद्योग का पुनर्जन्म हुआ, जिस दिन अमेरिका की नियति को पुनः प्राप्त किया गया और जिस दिन हमने अमेरिका को फिर से समृद्ध बनाना शुरू किया। ट्रंप ने कहा कि दशकों से, हमारे देश को निकट और दूर के देशों द्वारा, मित्र और शत्रु दोनों द्वारा लूटा गया, लूटा गया, बलात्कार किया गया और लूटा गया। अमेरिकी स्टीलवर्कर्स, ऑटो वर्कर्स, किसान और कुशल कारीगरों ने वास्तव में बहुत कष्ट झेले। उन्होंने पीड़ा में देखा कि कैसे विदेशी नेताओं ने हमारी नौकरियाँ छीन लीं, विदेशी धोखेबाजों ने हमारी फैक्ट्रियों में लूटपाट की, और विदेशी सफाईकर्मियों ने हमारे एक बार के खूबसूरत अमेरिकी सपने को तोड़ दिया. .. हमारे देश और इसके करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा गया है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है।

क्या शुरू हो गई सबसे बड़ी ट्रेड वॉर ?

ट्रंप की टैरिफ घोषणा पर भड़के वर्ल्ड लीडर, कुछ इस अंदाज में दिया रिएक्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर व्यापक टैरिफ की घोषणा कर दी है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को मुक्ति दिवस कहते हुए इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक बताया। व्हाइट हाउस के रोज़ गार्डन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका को दशकों से अपने व्यापारिक साझेदारों द्वारा लूटा, गया था। उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी शुल्कों से मेल खाते रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने एक चार्ट दिखाया जिसमें बताया गया था कि अमेरिका किस देश पर कितना टैरिफ लगाएगा, यह इस बात पर आधारित होगा कि उन्होंने अमेरिका पर कितना टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने कहा कि हम उनसे लगभग आधा टैरिफ लगाएंगे, जो वे हमसे वसूल रहे हैं, इसलिए टैरिफ पूरी तरह से रेसिप्रोकल नहीं होंगे।

ट्रंप के टैरिफ पर क्या रिएक्शन सामने आएं

आयरलैंड: आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने इस निर्णय को बेहद खेदजनक और अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच प्रतिदिन 4.2 बिलियन यूरो से अधिक मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार होता है। इस गहन एकीकृत संबंध को बाधित करने से किसी को कोई लाभ नहीं होगा।

ब्रिटेन: ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि अमेरिका ब्रिटेन का सबसे करीबी सहयोगी बना हुआ है। व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि ब्रिटेन को उम्मीद है कि वो ट्रंप द्वारा घोषित ब्रिटिश वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापार समझौता कर लेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी ट्रेड वॉर नहीं चाहता और हमारा इरादा समझौता सुनिश्चित करना है।

इटली: प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईयू के विरुद्ध नए 20 प्रतिशत टैरिफ को गलत बताते हुए कहा कि इससे किसी भी पक्ष को लाभ नहीं होगा। मेलोनी ने फेसबुक पर पोस्ट कर कहा कि हम अमेरिका के साथ एक समझौते की दिशा में काम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, जिसका उद्देश्य एक व्यापार युद्ध से बचना है।

स्पेन : स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने वैश्विक व्यापार के प्रति अपने देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए स्पेन के व्यवसायों और श्रमिकों की सुरक्षा करने की कसम खाई।

ब्राजील : ब्राजीलियन सरकार ने कहा कि वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ले जाने पर विचार कर रही है। बाद में ब्राजील की कांग्रेस ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जो ब्राजील की सरकार को देश के सामान पर शुल्क लगाने वाले किसी भी देश या व्यापार समूह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति देता है। अमेरिका को सबसे बड़े निर्यातकों में से एक एशियाई देशों ने प्रभावित होने वाले वाहन निर्माताओं एवं अन्य व्यवसायों का समर्थन करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का संकल्प जताया।

यूरोपीय संसद : यूरोपीय पीपुल्स पार्टी (ईपीपी) के अध्यक्ष मैनफ्रेड वेबर ने ट्रंप के इस कदम की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारे अमेरिकी मित्रों के लिए, आज मुक्ति दिवस नहीं है – यह आक्रोश दिवस है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निष्पक्ष व्यापार की रक्षा नहीं करते हैं; वे भय के कारण इस पर हमला करते हैं और अटलांटिक के दोनों किनारों को नुकसान पहुंचाते हैं।

दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक नेता प्रधानमंत्री हान डक–सू ने अधिकारियों से कहा है कि वे नए 25 प्रतिशत शुल्क के संभावित प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए व्यापारिक समूहों के साथ काम करें ताकि नुकसान को कम से कम किया जा सके।

चीन : वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा''। हालांकि चीन ने यह नहीं बताया कि वह इसके प्रत्युत्तर में क्या कदम उठा सकता है। चीन ने कहा कि चीन अमेरिका से अपने एकतरफा शुल्क उपायों को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को ठीक से हल करने का आग्रह करता है।

पीएम नेतन्याहू और उनके दो सलाहकार घोटाले में फंसे? पैसे लेकर कतर का प्रचार कराने का आरोप, जांच शुरू

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दो सलाहकार एक नए घोटाले में फंस गए हैं। नेतन्याहू और उनके सलाहकारों पर आरोप है कि उन्होंने पैसे लेकर इस्राइल में कतर की छवि को सुधारने का काम किया है। पुलिस दोनों सलाहकारों को गिरफ्तार कर चुकी है और जांच चल रही है। वहीं मामला सामने आने के बाद नेतन्याहू से पुलिस ने पूछताछ की। नेतन्याहू का कहना है कि आरोप निराधार हैं और इसका उद्देश्य उनके शासन को खत्म करना है। कतर को कई लोग हमास का संरक्षक मानते हैं। वहीं कतर का इस्राइल के साथ

कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है। साथ ही इन दिनों कतर युद्ध विराम वार्ता में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। नेतन्याहू के आलोचकों का कहना है कि पीएम नेतन्याहू ने इस्राइल की राज्य संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। इस्राइन के लोग कतर को पसंद नहीं करते हैं। नेतन्याहू पर आरोप है कि उन्होंने दो करीबी सलाहकार जोनाथन उरीच और पूर्व प्रवक्ता एली फेल्डस्टीन को इस्राइलियों के बीच कतर की छवि सुधारने के लिए एक जनसंपर्क अभियान चलाने के लिए काम पर रखा गया था। दोनों को कथित तौर पर एक अमेरिकी लॉबिस्ट के माध्यम से भुगतान किया था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक अमेरिकी लॉबिस्ट और उरीच ने कतर को सकारात्मक रूप से बढ़ावा देने और मिस्र के बारे में नकारात्मक संदेश फैलाने के लिए व्यावसायिक संबंध बनाया। वहीं फेल्डस्टीन को पत्रकारों को यह संदेश देने के लिए पैसे दिए गए थे। इस्राइली मीडिया के अनुसार फेल्डस्टीन और उरीच पर विदेशी एजेंट से संपर्क, मनी लॉन्ड्रिंग, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप लग सकते हैं। पुलिस ने इस मामले में एक इस्राइली पत्रकार ज़िवका क्लेन से भी पूछताछ की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

म्यांमार भूकंप में मृतकों की संख्या में हुआ इजाफा, 3085 लोगों की मौत; करीब चार हजार घायल और 341 लापता

बैंकॉक। म्यांमार में करीब एक हफ्ते पहले आए भूकंप में मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ है। बता दें कि, राहत और बचाव दल ने मलबे कई अन्य लोगों के शव बरामद किए हैं, इसके बाद मृतकों की संख्या 3085 तक पहुंच गई है। वहीं इस विनाशकारी भूकंप के बाद अभी चार हजार से ज्यादा लोग घायल है और कुल 341 लोग लापता हैं। ये आंकड़े म्यांमार की सेना की तरफ से जारी किए गए हैं।

7.7 तीव्रता के भूकंप ने मचाई तबाही

बीते शुक्रवार यानी 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जिससे हजारों इमारत जमींदोज हो गए और सड़कें बड़े–बड़े खाई में बदल गईं। स्थानीय मीडिया में हताहतों की संख्या की रिपोर्ट आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक है और दूरसंचार के व्यापक रूप से बंद होने और कई स्थानों तक पहुंचना मुश्किल होने के कारण, ऐसा माना जाता है कि ज्यादा जानकारी मिलने पर हताहतों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो सकती है।

डब्ल्यूएचओ और यूएन ने मदद की अपील की

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसके प्रारंभिक आकलन के अनुसार, चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं जबकि अन्य 32 अस्पताल और 18 स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, बुनियादी ढांचे के नुकसान और रोगियों की बढ़ती संख्या के कारण, सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच लगभग असंभव हो गई है। हजारों लोगों को देखभाल, चिकित्सा और बीमारी के प्रकोप के लिए उपचार की तत्काल आवश्यकता है।

चौतरफा संकट से जूझ रहा म्यांमार

म्यांमार की सेना ने 2021 में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार से सत्ता छीन ली, जिससे गृहयुद्ध छिड़

गया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भूकंप ने पहले से ही गंभीर मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है, जिसमें तीन मिलियन से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं और लगभग 20 मिलियन लोग भूकंप से पहले ही जरूरतमंद थे। इसी बीच सेना ने बुधवार को 22 अप्रैल तक अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। यह घोषणा सैन्य शासन का विरोध करने वाले सशस्त्र प्रतिरोध समूहों की तरफ से घोषित एकतरफा अस्थायी युद्ध विराम के बाद की गई है।

ग्रीक द्वीप के पास प्रवासियों से भरी नाव पलटी, चार की मौत; 23 को बचाया, बचाव अभियान जारी

एथेंस। ग्रीस में तुर्की तट से प्रवासियों को लेकर ग्रीक द्वीप जा रही एक नाव बृहस्पतिवार सुबह पलट गई। ग्रीस के तट रक्षक ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में दो महिलाएं और दो बच्चे– एक लड़का व एक लड़की शामिल हैं, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा, 23 लोगों को बचा लिया गया है। तट रक्षक के अनुसार, लेसबोस द्वीप के उत्तरी तट पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में मौसम साफ था।